डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-8

सिनेमा-धीरे- धीरे ठीक हो रहे हैं राजू श्रीवास्तव

वर्ष -08 अंक -152 | प्रयागराज, शुक्रवार 26, अगस्त, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

भाजपा नेता ईश्वरप्पा को मिले पत्र में जीभ काटने की धमकी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। शिकायत दर्जभाजपा नेता ईश्वरप्पा के निजी सहायक ने कार्रवाई की मांग की साथ ही धमकी भरे पत्र के साथ पुलिस अधीक्षक को एक शिकायत दी है। भाजपा नेता और पूर्व मंत्री केएस ईश्वरप्पा को एक धमकी भरा पत्र मिला है, यह पत्र डाक से उनके पास पहुंचा है। कनन्ड़ में लिखे गए एक अज्ञात शख्स ने चिट्ठी में पूर्व मंत्री ईश्वरप्पा की जुबान काटने की धमकी दी है। पत्र में लिखा है कि अगर

उन्होंने एक बार फिर टीपू सुल्तान को मुस्लिम गुंडा कहा तो उनकी जीभ काट दी जाएगी। वहीं ईश्वरप्पा के निजी सहायक ने कार्रवाई की मांग की साथ ही धमकी भरे पत्र के साथ पुलिस अधीक्षक को एक शिकायत दी है। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए, पुलिस अधीक्षक बीएम लक्ष्मी प्रसाद ने कहा कि हमारे पास केवल सूचना थी। हम एक शिकायत की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हमें अभी तक पत्र की प्रति प्राप्त नहीं हुई है। बता दें कि इस साल फरवरी में बजरंग दल के कार्यकर्ता हर्ष की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद शहर में सांप्रदायिक तनाव भड़क गया था इसके खिलाफ अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए ईश्वरप्पा अक्सर मुस्लिम गुंडे शब्दों का इस्तेमाल करते थे। पत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए ईश्वरप्पा ने कहा कि पत्र में लिखा गया है कि मैंने टीपू को मुस्लिम गुंडा कहा था। इसलिए, वे मेरी जीभ काट देंगे। अतीत में, मुझे दुबई से धमकी भरा फोन आया था।

विधायक राजा सिंह के खिलाफ नारेबाजी के लिए स्कूली बच्चों को उकसाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। दोषियों के खिलाफ के आदेश हैदराबाद पुलिस निलंबित भाजपा विधायक टी राजा के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को समझाने की हर संभव कोशिश कर रही है लेकिन ये सभी मानने के लिए तैयार नहीं हो रहे हैं। इन सबके बीच अब एक बड़ी खबर सामने आ रही है पर प्रसारित वीडियो क्लिप में बच्चों को सर तन से जुदा जैसे नारे लगाते हुए और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के निलंबित नेता को फांसी देने की मांग करते हुए दिखाया गया

प्रदर्शनकारियों को समझाने की हर संभव कोशिश कर रही है लेकिन ये सभी मानने के लिए तैयार नहीं हो रहे हैं। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में मंगलवार को पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले निलंबित भाजपा विधायक को जमानत मिलने के बाद बवाल और अधिक बढ़ गया है। प्रदर्शनकारियों का प्रदर्शन उग्र होता जा रहा है। पुलिस इन कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने हैदराबाद पुलिस से उन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने को कहा है, जिन्होंने निलंबित भाजपा नेता टी राजा सिंह के खिलाफ स्कूली बच्चों को नारेबाजी करने के लिए उकसाया है। हैदराबाद पुलिस को लिखे एक पत्र में, बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है। आयोग ने कहा कि ऐसा लगता है कि बच्चों को प्रभावित किया गया और विरोध में राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया गया। आयोग ने स्वतः संज्ञान लेना उचित समझा क्योंकि किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के तहत संबंधित प्रावधानों का प्रथम दृष्टया उल्लंघन है।

मामूली बढ़े नए संक्रमित सक्रिय केस और घटे

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। जानें देश में कोविड का हालमामूली बढ़े नए संक्रमित, सक्रिय केस और घटे, जानें देश में कोविड का हालदेश में गुरुवार को 10,725 नए कोरोना केस मिले हैं। इस दौरान 13,084 लोग महामारी से उबर गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा अपडेट आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटों में सक्रिय केस में और कमी आई। ये घटकर 94,047 रह गए। इससे पहले बुधवार को 10,649 नए केस मिले थे। सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 96,442 थी।

ईडी की शक्तियों पर खुली अदालत में सुनवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। कर सकता है पर्यावरण कानून उल्लंघन की जांचसुप्रीम कोर्ट की पीठ ने चिदंबरम के समीक्षा आवेदन पर विचार करते हुए कहा कि पीएमएलए के फैसले द्वारा निर्धारित धारा 8(4) से संबंधित अनुपात में और स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। लिहाजा, याचिका को 25 अगस्त को सुनवाई के लिए अनुमति दी जाती है।सुप्रीम कोर्ट धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शक्तियों के फैसले पर समीक्षा वाली याचिका पर सुनवाई करने को सहमत हो गया। बृहस्पतिवार को इस मामले में खुली अदालत में सुनवाई होगी। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने 27 जुलाई के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर रोक लगाने की मांग करते हुए आवेदन किया था, जिसमें

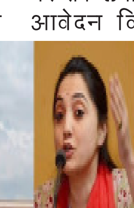

गिरफ्तारी, जांच और संपत्ति की कुर्की से संबंधित ईडी की व्यापक शक्तियों पर सुनवाई की मांग की थी। सीजेआई एनवी रमण, जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस सी टी रविकुमार की पीठ ने चिदंबरम के समीक्षा आवेदन पर विचार करते हुए कहा कि पीएमएलए के फैसले द्वारा निर्धारित धारा 8(4) से संबंधित अनुपात में और स्पष्टीकरण की आवश्यकता है।

ईडी, बिलकिस बानो, पीएम की सुरक्षा में चूक समेत कई अहम मामलों पर होगी सुनवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में आज बिलकिस बानों के दोषियों की रिहाई को चुनौती, पंजाब में पीएम की सुरक्षा में चूक, ईडी को दी गई शक्ति के अलावा पेगासस जासूसी मामले पर सुनवाई होने वाली है। सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई के मद्देनजर काफी अहम दिन रहने वाला है। दरअसल, आज शीर्ष अदालत में कई बड़े मामलों पर सुनवाई होने वाली है। इनमें बिलकिस बानों के दोषियों की रिहाई को चुनौती, पंजाब में पीएम की सुरक्षा में चूक, ईडी को दी गई शक्ति के अलावा पेगासस जासूसी का मामला शामिल है। बता दें कि ये सभी मुद्दे राजनीतिक दृष्टिकोण से भी अहम माने जा रहे हैं क्योंकि इन मामलों पर बीते दिनों में जमकर सियासत हुई है। आइए इन सभी मुद्दों पर आपको विस्तार से जानकारी देते हैं क्या है बिलकिस बानो का मामला बिलकिस बानो मामले में दोषियों को रिहा करने के गुजरात सरकार के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। इस याचिका में सभी दोषियों की सजा पर फिर से विचार करने की गुहार लगाई गई है। बता दें कि गोधरा कांड के बाद गुजरात में दंगे भड़क गए थे और इसी दंगे के दौरान बिलकिस बानों के परिवार के सात सदस्यों की हत्या कर दी गई थी। इतना ही नहीं दंगाइयों ने बिलकिस बानो के साथ सामूहिक दुष्कर्म भी

किया था। पेगासस मामले पर सुनवाई दरअसल, जुलाई 2021 में एक मीडिया समूह ने खुलासा करते हुए कहा था कि भारत सरकार ने 2017 में इस्राइल का जासूसी सॉफ्टवेयर पेगासस खरीदा था। यह स्पाईवेयर दुनियाभर के कई देशों में पत्रकारों-व्यापारियों की जासूसी के लिए इस्तेमाल हो रहा है। भारत में भी इसके जरिए कई नेताओं और बड़े नामों की जासूसी की बात कही गई थी। इसमें कहा गया था कि मोदी सरकार ने पांच साल पहले दो अरब डॉलर (करीब 15 हजार करोड़ रुपये) का जो रक्षा सौदा इस्राइल से किया था, उसमें पेगासस स्पाईवेयर की खरीद भी शामिल थी। इस रक्षा डील में भारत ने कुछ हथियारों के साथ एक मिसाइल सिस्टम भी खरीदा था। पंजाब में पीएम की सुरक्षा में चूक का मामला पांच जनवरी 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पंजाब के फिरोजपुर में दौरा था। भारी बारिश के कारण पीएम को सड़क मार्ग से जाना पड़ा लेकिन इस दौरान हुसैनीवाला से 30 किलोमीटर दूर रास्ते में प्रदर्शनकारी मिल गए जिस कारण उनका काफिला तकरीबन 20 मिनट बेहद असुरक्षित क्षेत्र में रुका रहा। जिस इलाके में पीएम मोदी का काफिला रुका था, वह आतंकियों के अलावा हेरोइन तस्करों का गढ़ माना जाता है। पिछले साल सितंबर माह में इसी क्षेत्र में आतंकी वारदात को अंजाम दिया गया था। ईडी को दी गई शक्ति के खिलाफ समीक्षा याचिका पर सुनवाई सुप्रीम कोर्ट मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत गिरफ्तारी, मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल संपत्ति की कुर्की, तलाशी और जब्ती से संबंधित प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) की शक्तियों को बरकरार रखने के अपने आदेश की समीक्षा पर आज सुनवाई करेगा। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से दर्ज केस में फंसे लोगों को झटका देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 27 जुलाई को पीएमएलए कानून के विभिन्न प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि 2018 में कानून में किए गए संशोधन सही हैं। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय के सभी अधिकारों को बरकरार रखा। इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने एक बार फिर समिक्षा याचिका लगाई।

उत्तर पश्चिम भारत में फिलहाल वर्षा का दौर मंद, जानिए मेघों ने किधर का किया रुख

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अगले 24 घंटों के दौरान कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, झारखंड के कुछ हिस्सों, उत्तरी छत्तीसगढ़, पूर्वोत्तर मध्य प्रदेश, दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश, जम्मू कश्मीर के कुछ हिस्सों, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हल्की से मध्यम बारिश व कहीं कहीं भारी बारिश हो सकती है। भादौ में झमाझम बारिश के बाद उत्तर पश्चिम भारत में वर्षा का दौर फिलहाल धीमा पड़ गया है। अगले पांच दिनों तक इस इलाके में बारिश की गतिविधियां कमजोर रहेंगी। वहीं, यूपी बिहार समेत पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर पश्चिम भारत में अगले पांच दिनों तक और मध्य भारत में अगले तीन दिनों तक बारिश के आसार नहीं हैं, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार व उत्तर-पूर्वी भारत में 27 और 28 अगस्त को भारी बारिश हो सकती है। पूर्वी राजस्थान और समीपवर्ती उत्तर

पश्चिमी मध्यप्रदेश में बना कम दबाव का क्षेत्र अब दक्षिण पश्चिमी राजस्थान की ओर मुड़ गया है। इसके प्रभाव से दक्षिण राजस्थान, उत्तरी गुजरात और मध्य महाराष्ट्र में हल्की से मध्यम वर्षा तथा 26 और 27 अगस्त को छत्तीसगढ़ और 27 और पूर्वी मध्यप्रदेश में बारिश होने की संभावना है। निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट के अनुसार बंगाल की खाड़ी के उत्तरी भाग पर बना चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र औसत समुद्र तल से 5.8 किलोमीटर ऊपर तक फैला हुआ है। वहीं, पश्चिमी विक्षोभ को उत्तरी अफगानिस्तान और इससे सटे पाकिस्तान के हिस्सों पर एक द्रोणिका के रूप में स्थित है। यहां हैं बारिश के आसार स्काईमेट के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, झारखंड के कुछ हिस्सों, उत्तरी छत्तीसगढ़, पूर्वोत्तर मध्य प्रदेश, दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश, जम्मू कश्मीर के कुछ हिस्सों, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हल्की से मध्यम बारिश व कहीं कहीं भारी बारिश हो सकती है।

गर्भवती होने की खबर पर बॉयफ्रेंड की बेफिक्री आत्महत्या के लिए उकसावा नहीं

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। आरोपी को मिली जमानतताजा सुनवाई के बाद जस्टिस भारती डांगरे ने कहा कि शायद लड़की अपने गर्भवती होने की आशंका से परेशान थी और जब लड़के से उदासीन प्रतिक्रिया

मिली तो उसने आत्महत्या कर ली। मामले में आत्महत्या के लिए उकसावा साबित करना जरूरी है, जो आरोपी की अचानक दी गई उदासीन प्रतिक्रिया से साबित नहीं होता। गर्लफ्रेंड कहे कि वह गर्भवती है और बॉयफ्रेंड उदासीनता दिखाए, तो इसे आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं कह सकते। बॉम्बे हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी आत्महत्या को उकसाने के आरोप में गिरफ्तार लड़के को जमानत देते हुए की। इस लड़के की 16 साल की गर्लफ्रेंड ने आत्महत्या कर ली थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मालूम हुआ था कि वह गर्भवती भी नहीं थी। लड़की ने अपने कमरे में लगाई थी फांसी : ठाणे जिले का यह मामला तीन मार्च, 2021 का है। उस वक्त लड़का 19 साल का था। लड़की की मां ने केस दर्ज करवाया था, जिसमें उसकी बेटी और लड़के की व्हाट्सएप चैट का हवाला दिया गया। इसके अनुसार दोनों में करीबी संबंध थे। लड़की को अंदेशा हुआ कि वह गर्भवती हो गई है तो उसने व्हाट्सएप पर लड़के को खबर दी, जिस पर लड़के ने उदासीन प्रतिक्रिया दी। इससे तैश में आई लड़की ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। पुलिस ने आरोपी को मार्च, 2021 में ही गिरफ्तार कर लिया था। उस पर आत्महत्या के लिए उकसाने और पोक्सो की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज हुआ। कोर्ट ने ये भी कहा ताजा सुनवाई के बाद जस्टिस भारती डांगरे ने कहा कि शायद लड़की अपने गर्भवती होने की आशंका से परेशान थी और जब लड़के से उदासीन प्रतिक्रिया मिली तो उसने आत्महत्या कर ली। मामले में आत्महत्या के लिए उकसावा साबित करना जरूरी है, जो आरोपी की अचानक दी गई उदासीन प्रतिक्रिया से साबित नहीं होता। लड़के की उम्र भी कम थी। इसे देखते हुए उसे 25 हजार के बॉन्ड पर जमानत दी जाती है।

डर या कोई मोह, अशोक गहलोत क्यों नहीं बनना चाहते कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। जानें तीन बड़े कारणदेश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस में 20 सितंबर तक नए अध्यक्ष का चुनाव होना है। इस बीच, मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से अध्यक्ष बनने की संभालना चाहते आइये जानते हैंष्ठ पहले जानिए सोनिया ने गहलोत से क्या-क्या कहा मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोनिया गांधी ने मंगलवार को राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत से अपने आवास पर मुलाकात की। बताया जाता है कि इस दौरान उन्होंने गहलोत से पार्टी की बागडोर संभालने का आग्रह

पेशकश की है। हालांकि, गहलोत कई बार कह चुके हैं कि राहुल गांधी को अध्यक्ष बनना चाहिए। हाल ही में उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी अध्यक्ष नहीं बने तो पार्टी में निराशा आएगी और कई लोग घर बैठ जाएंगे। गहलोत के बयान से साफ है कि वह पार्टी अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी नहीं संभालना चाहते हैं। सोनिया ने गहलोत से क्या बात का गहलोत की दावेदारी क्यों बताई जा रही है मजबूत गहलोत के अलावा और कौन से गैर गांधी नेता इस रेस में गलहोत अध्यक्ष पद क्यों नहीं किया। सोनिया ने गहलोत से यह भी कहा कि वह खराब स्वास्थ्य के चलते पार्टी की जिम्मेदारी नहीं संभाल सकतीं हैं। इस पर अशोक गहलोत ने फिर दोहराया कि राहुल गांधी अध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मत पसंद हैं। सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद गहलोत ने कहा कि वह बार-बार कह रहे हैं कि राहुल गांधी जी के अध्यक्ष बनने पर ही पार्टी का पुनर्गठन हो सकेगा। उनके अध्यक्ष बने बगैर नेता व कार्यकर्ता निराश हो जाएंगे। हम राहुल गांधी पर लगातार दबाव डालेंगे कि वे पार्टी अध्यक्ष का पद संभालें। हालांकि, जब मीडिया ने गहलोत से कांग्रेस अध्यक्ष पद की पेशकश को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा, 'मैं मीडिया से यह खबर सुन रहा हूं। मुझे इसके बारे में जानकारी नहीं है। जो ड्यूटी मुझे दी गई है, वह मैं कर रहा हूं।' अशोक गहलोत गांधी परिवार के सबसे करीबी नेताओं में से एक हैं। गहलोत को अध्यक्ष बनाकर कांग्रेस एक तीर से दो निशाने लगा सकती है। गहलोत नाराज न हों, इसलिए उन्हें पार्टी की सबसे बड़ी पोस्ट मिल जाएगी और राजस्थान हाथ से न जाए इसके लिए सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। राजस्थान में अगले साल ही चुनाव होने हैं। मौजूदा समय राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार एक के बाद एक कई विवादों में फंसती नजर आ रही है। ऐसे में सचिन पायलट को कमान देने से राजस्थान कांग्रेस में नई ऊर्जा आ सकती है। गहलोत अध्यक्ष बनने के बाद गांधी परिवार के खिलाफ जाएं इसकी उम्मीद काफी कम है। वह मुश्किल दौर में भी गांधी परिवार के साथ रहे हैं। गांधी परिवार से बाहर गहलोत के साथ कई और नामों की भी चर्चा है। इनमें राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, हरियाणा कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष कुमारी सैलजा, मुकुल वासनिक के नाम शामिल हैं। दावेदारों में ज्यादातर गांधी परिवार के बेहद करीबी हैं।

पीएम मोदी श्रम मंत्रियों की बैठक में शिरकत करेंगे

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। नई संहिता में हफ्ते में 3 दिन अवकाश नहीं होग नए श्रम कानून का लक्ष्य श्रमिकों के साथ उद्योग का बेहतर तालमेल सुनिश्चित कर निवेश और उद्योग

के लिए अच्छा माहौल बनाने का है। इसके तहत श्रमिकों का बेसिक वेतन उसके कुल वेतन का कम से कम 50 फीसदी करना अनिवार्य किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के श्रम मंत्रियों के सम्मेलन को आज ऑनलाइन संबोधित करेंगे। दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की ओर से 25 अगस्त को आंध्र प्रदेश के तिरुपति में किया जाएगा। इसमें श्रम संबंधी विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। पीएमओ से मंगलवार को जारी बयान में यह जानकारी दी गई है। प्रस्तावित नए श्रम कानून के तहत सप्ताह में तीन दिन अवकाश का कोई प्रावधान नहीं है। अरसे से 29 श्रम कानूनों का दायरा चार श्रम कानून तक सीमित करने में जुटी सरकार का लक्ष्य इसके माध्यम से श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ रोजगार सृजन और उद्योग और श्रमिकों के बीच बेहतर-व्यावहारिक संतुलन स्थापित करना है। तिरुपति गुरुवार को में होने वाले श्रम मंत्रियों के सम्मेलन में नए कानून को लागू करने पर सहमति बन सकती है। श्रम मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, इसी बैठक में नए श्रम कानून को लागू करने पर सहमति बनने के आसार है, क्योंकि इससे जुड़े सभी प्रावधानों को लेकर सभी राज्यों में सहमति बन गई है। गौरतलब है कि सरकार ने 29 श्रम कानूनों के बदले इसे चार हिस्सों पारिश्रमिक संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, पेशागत सुरक्षा संहिता में विभाजित करने का फैसला किया है। इनमें पारिश्रमिक संहिता को लेकर 31 राज्यों में, सामाजिक सुरक्षा संहिता पर 27 राज्यों, औद्योगिक संबंध संहिता पर 25 तो पेशागत सुरक्षा संहिता पर 24 राज्यों ने नए श्रम कानूनों के तहत अपना नियम तैयार कर लिया है। श्रम मंत्रियों के सम्मेलन में कुछ मुद्दों पर राज्यों की असहमतियों पर विमर्श के बाद नए श्रम कानूनों को लागू करने की तारीख पर सहमति बन सकती है। गौरतलब है कि नए श्रम कानूनों को पहले एक जुलाई से लागू करने की योजना थी। कुल वेतन का 50 फीसदी बेसिक अनिवार्य लक्ष्य श्रमिकों के साथ उद्योग का बेहतर तालमेल सुनिश्चित कर निवेश और उद्योग के लिए अच्छा माहौल बनाने का है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। जिलाधिकारी ने उद्यमियों की समस्याओं को प्राथमिकता पर निस्तारित करने के दिये निर्देश जिलाधिकारी ने कार्यों में लापरवाही बरतने पर दो सहायक अभियंता भूगर्भ जल, आई0टी0आई के प्रधानाचार्य एवं अधिशाषी अभियंता विद्युत नैनी का वेतन रोकने के साथ ही स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के दिए निर्देश जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित विभागों को निर्देशित किया है कि उद्योग बन्धुओं से सम्बंधित प्रकरणों को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने उपायुक्त रोजगार को मूंज उत्पादन को और बढ़ावा देने के साथ-साथ उसका प्रशिक्षण भी करना सुनिश्चित करें। बैठक में उद्योग बंधुओं ने विद्युत विभाग की ट्रिपिंग और विद्युत कटौती से सम्बंधित समस्यायें बतायी गयी, जिसपर जिलाधिकारी ने अधिशाषी अभियंता विद्युत खण्ड नैनी से जानकारी ली, सही जानकारी न दे पाने के कारण स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। मेसर्स तरूण इण्टर प्राइजेज नैनी द्वारा शिकायत की गयी कि मेरे द्वारा जमा धनराशि वापस ने किए जाने के प्रकरण को गम्भीरता से लेते हुए अधिशाषी अभियंता विद्युत नैनी से जानकारी ली तथा उसको सही कराने के निर्देश भी दिए है। संदर्भ में जिलाधिकारी ने पत्र के माध्यम से सही कराने के निर्देश दिए है। निवेश पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने पर भूगर्भ विभाग के दो सहायक अभियंता से स्पष्टीकरण कॉल किया है। उन्होंने यूपी एस0आई0डी0सी0 को निर्देशित किया है कि अपनी इन्फ्रास्ट्रक्चर को और बढ़ाइये तथा साफ-सफाई का कार्य सुचारू रूप से कराने के निर्देश दिए है। फायर विभाग को कामर्शियल क्षेत्रों में एन0ओ0सी0 की जांच कराने के साथ-साथ मल्टीस्टोरी बिल्डिंग और हॉस्पिटलों में वर्कशाप कराने का निर्देश दिया है। कार्यो में रूचि न लेने के कारण आई0टी0आई0 नैनी के प्रधानाचार्य का वेतन रोकने तथा स्पष्टीकरण काल किया है। श्रम विभाग को श्रमिकों का जो रजिस्टेड्रशन होते है, उनका इंडस्ट्रीयल क्षेत्रों में कैम्प लगाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि उद्योग बंधुओं से जुड़े प्रकरणों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता न बरती जाये। उन्होंने निवेश पोर्टल पर दर्ज आवेदन पत्रों को समय से निस्तारित करने का निर्देश सभी सम्बंधित विभागों को दिया है। साथ ही साथ यह भी हिदायत दी कि निर्धारित समय सीमा के अंदर आवेदन पत्रों का निस्तारण न करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने उद्योग बन्धुओं से प्रकरणों के निस्तारण की स्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि जो भी प्रकरण लम्बित है, उसे सम्बांधित विभागों के अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निस्तारित कराने के निर्देश दिये है। इस अवसर पर जीएमडीआईसी, श्री अनिल अग्रवाल, श्री मोहित नैय्यर सहित सभी सम्बांधित विभागों के अधिकारीगण तथा उद्योग बंधु के सदस्यगण उपस्थित रहे।

बांदा हाइवे पर बारा थाना क्षेत्र के रिगवां मोड़ पर डंपर से भिड़ी बस

(आधुनिक समाचार सेवा)

बारा। -बांदा हाइवे पर बारा थाना क्षेत्र के रिगवां मोड़ पर डंपर से अनियंत्रित होकर सरकारी बस भिड़ गई। इसमें सरकारी बस का चालक सहित कई लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची बारा पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए जसरा सीएचसी भेज दिया है। घटना बुधवार दोपहर बाद की है। प्रयागराज की ओर से एक डंपर शंकरगढ़ की ओर जा रहा था। उसके पीछे पीछे उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बांदा डिपो की बस सवारी भर कर बांदा जा रही थी।रिगवां मोड़ पर अचानक डंपर के आगे कुछ मवेशी आ गए। मवेशियों को बचाने के चक्कर में डंपर के चालक ने ब्रेक लगा दिया।बस डंपर में पीछे से भिड़ गई।बस का चालक सहदेव बस में फंस गया। सूचना पर पहुंची बारा पुलिस ने गांव वालों की मदद से उसे बाहर निकाला। घायलों में परिचालक तुलसीराम ,रोडवेज बस में सवार बैजनाथ, कुबेर ,राकेश निवासी गण बिसंडा, राजू, हरिकांत, अतर्रा, अजय सिंह, फूलमती, रायपुरा कामता प्रसाद कानूनगो निवासी गण राठ,मानस पांडे मऊ ,अमित गुप्ता, रोहित पांडे निवासी गण कर्वी, कमलेश देवी रानीपुर ,सुषमा देवी निवासी गण खंडवा, शिवकुमारी मऊ, शिवप्रसाद , विजय कुमार चित्रकूट, मूलचंद मऊ, रोहित कुमार बरगढ़ है। पुलिस ने सभी को इलाज के लिए जसरा सीएचसी भेजा है।

उत्तर प्रदेश नगर निगम चुनाव 2022

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश में 22 नवंबर 2022 से 3 चरण में होंगे निकाय चुनाव, 1 दिसंबर को आएंगे नतीजे, उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी हो गई है, प्रदेश में 22 नवंबर से निकाय चुनाव तीन चरण में होंगे, मतदान सुबह 7.30 से शाम 5 बजे तक होगा, उत्तर प्रदेश के राज्य निर्वाचन आयुक्त एसके अग्रवाल जी, ने निकाय चुनाव के मतदान की तिथि घोषित की उन्होंने बताया कि इस बार भी मतदान ईवीएम से ही होगा चुनाव, पहले चरण का मतदान मतदान 22 नवंबर, दूसरे चरण का 26, नवंबर व तीसरे चरण का 29 नवंबर को मतदान होगा, पहले चरण के मतदान में 5 नगर निगम व 71 नगर पालिका शामिल हैं, दूसरे चरण का मतदान 26 नवम्बर होगा, जिसमें 51 नगर निगम व नगर पालिका तथा 131 नगर पंचायत 131 शामिल हैं, पहले चरण में 22 नवंबर को 24 जिलों में मतदान होगा, दूसरे चरण में 26 नवंबर को 25 जिले वोट पड़ेगे, तीसरे तथा अंतिम चरण का मतदान 29 नवंबर को होगा, जिसमें 26 जिले के मतदाता शामिल होंगे, एसके अग्रवाल जी, ने बताया कि 16 नगर निगम व 198 नगर पालिका के साथ ही 438 नगर पंचायत में मतदान होगा, इसके लिए प्रदेश भर में 11389 पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं, नगर पालिका व नगर पंचायत में बैलेट पेपर से चुनाव होंगे, मतगणना एक दिसंबर को सुबह आठ बजे से होगी, राज्य सरकार ने निर्वाचन आयोग को चुनाव कार्यक्रम भेज दिया है, आयोग ने इसी आधार पर आज अधिसूचना जारी की, इस बार 653 निकायों में 12007 वार्डों में चुनाव होगा, मेयर की 16 सीटों, पालिका परिषद चेयरमैन की 199 तथा नगर पंचायत की 429 सीटों पर मतदान होना है, 10प्रतिशत मतदान केंद्रों को अति संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है इन केंद्रों की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी, नगर निगम के चुनाव ईवीएम से जबकि नगर पालिका परिषद व नगर पंचायत के चुनाव बैलेट पेपर से होंगे, बैलेट पेपर पर प्रत्यशी की फोटो भी होगी, राज्य निर्वाचन आयुक्त एसके अग्रवाल जी, ने बताया कि आचार संहिता लागू हो गयी है अब किसी भी ट्रांसफर, प्रमोशन, व नियुक्ति, पर रोक लगा दी गई है किसी विषम परिस्थिति में राज्य निर्वाचन आयोग की अनुमति लेनी होगी, उन्होंने कहा कि इस बार निकाय चुनाव राज्य सरकार के संसाधन से होंगे, हम बाहर से फोर्स नही लेंगे आज से एक दिसम्बर तक सभी जिलाधिकारी, एसपी व एसएसपी जिला छोड़कर कही नही जायेंगे, उनकी सारी छुट्टी कैंसिल कर दी गई है। **प्रथम चरण का मतदान 22 नवम्बर को**

22 नवम्बर - शामली, मेरठ, हापुड़
22 नवम्बर - बिजनौर, बदायूं, हाथरस
22 नवम्बर - कासगंज, आगरा, कानपुर
22 नवम्बर - जालौन, हमीरपुर, चित्रकूट
22 नवम्बर - कौशाम्बी, प्रतापगढ़, उन्नाव
22 नवम्बर - हरदोई, अमेठी, फैजाबाद
22 नवम्बर - गोंडा, बस्ती, गोरखपुर
22 नवम्बर - आजमगढ़, गाजीपुर
22 नवम्बर को सोनभद्र में मतदान होगा।

दूसरे चरण का मतदान 26 नवम्बर को
26 नवम्बर को लखनऊ में होगी वोटिंग
26 नवम्बर - मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद
26 नवम्बर - गौतमबुद्धनगर, अमरोहा
26 नवम्बर - रामपुर, पीलीभीत
26 नवम्बर - शाहजहांपुर, अलीगढ़
26 नवम्बर - मथुरा, मैनपुरी
26 नवम्बर - फर्रुखाबाद, इटावा
26 नवम्बर - ललितपुर, बांदा
26 नवम्बर - इलाहाबाद, लखनऊ
26 नवम्बर - सुल्तानपुर, अम्बेडकरनगर
26 नवम्बर - बहराइच, श्रावस्ती
26 नवम्बर - संतकबीरनगर, देवरिया
26 नवम्बर - बलिया, वाराणसी, भदोही।

तीसरे चरण का मतदान 29 नवम्बर को
29 नवम्बर - सहारनपुर, बागपत, बुलंदशहर
29 नवम्बर - मुरादाबाद, संभल, बरेली
29 नवम्बर - एटा, फिरोजाबाद
29 नवम्बर - कन्नौज, औरैया
29 नवम्बर - कानपुर देहात
29 नवम्बर - झांसी, महोबा
29 नवम्बर - फतेहपुर, रायबरेली
29 नवम्बर - सीतापुर, लखीमपुर खीरी
29 नवम्बर - बाराबंकी, बलरामपुर
29 नवम्बर - सिद्धार्थनगर, महराजगंज
29 नवम्बर - कुशीनगर, मऊ
29 नवम्बर - चंदौली, जौनपुर
29 नवम्बर को मिर्जापुर में मतदान होगा।

अवैध धंधे से कमाई कर अर्जित की गई अतीक अहमद की संपत्तियों की कुर्क

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। अवैध धंधे से कमाई कर अर्जित की गई अतीक अहमद की संपत्तियों को कुर्क करने की अनुमति मिल गई है। धूमनगंज पुलिस की रिपोर्ट पर जिलाधिकारी ने अतीक की 75 करोड़ रुपये की अवैध संपत्तियों को गैंगस्टर एक्ट में कुर्क करने का आदेश जारी कर दिया है। पुलिस को छह सितंबर तक कार्रवाई करके जिलाधिकारी को रिपोर्ट देनी है। कुछ दिन पहले ही धूमनगंज पुलिस ने अतीक की 24 करोड़ रुपये की संपत्ति को कुर्क किया था। पूर्व सांसद अतीक अहमद की अवैध संपत्तियों की खोजबीन के लिए धूमनगंज व पूरामुफ्ती पुलिस को लगाया गया है। 24 करोड़ की संपत्ति कुर्की के बाद पुलिस ने कौशाम्बी जिले में अतीक की पत्नी शाइस्ता के नाम से आठ बीघा जमीन का पता लगाया। इसके अलावा शाइस्ता के नाम से हाईवे पर पौने चार बीघा जमीन भी मिली थी। वहीं, रहीमाबाद में अतीक के नाम से ही सवा दो बीघा प्रॉपर्टी की जानकारी मिली है। इन तीनों प्रॉपर्टी को कुर्क करने के लिए एसएसपी के माध्यम से जिलाधिकारी से अनुमति मांगी गई थी। पुलिस गैंगस्टर एक्ट की धारा 14-1 के तहत माफियाओं की अवैध संपत्तियां कुर्क कर रही है। इसी एक्ट के तहत अतीक की 75 करोड़ रुपये की संपत्ति को कुर्क किया जाएगा।

स्कूलों में लगातार हो रही चोरी शिक्षक संघ ने दिया ज्ञापन

(आधुनिक समाचार सेवा)

बारा। क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों में लगातार हो चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। शिक्षक संघ जसरा ने उपजिलाधिकारी बारा व क्षेत्राधिकारी बारा को ज्ञापन देकर तत्काल कार्यवाई की मांग की है। ज्ञात हो कि विकास खण्ड जसरा में बेसिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत संचालित परिषदीय विद्यालयों में विगत तीन माह में दर्जनों चोरी की घटनायें घटित हुई हैं। जिनमे स्कूलों में रखे सिलेंडर, बर्तन, चूल्हा, साउंड, खेल के समान खाद्यान्न आदि चोरी हो गए। सम्बंधित थानों में सूचना भी दर्ज कराई गई लेकिन खुलासा एक का भी नही हो पाया। क्षेत्र के सरसेंडी, अतरसुइया, कांटी, सेमरी, भडिलवा आदि विद्यालयों में चोरियां हो गई। संघ के अध्यक्ष डॉ एस पी सिंह ने कहा कि एसडीएम महोदय ने त्वरित कार्यवाई का आश्वासन दिया है। इस मौके पर सरोज सिंह , सुमन्त भार्गव, वसीम अहमद, सुमन भटोनिया, सुजीत कुमार, महेंद्र कुमार सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

बाँदा जिले की होनहार बेटी को मिला मिस्टर एंड मिस इंडिया किंग एंड क्वीन ऑफ द ईयर 2022 के शो में जजमेंट करने का निमंत्रण

(आधुनिक समाचार सेवा)

बाँदा। जिले से नेहा कश्यप मॉडल एवम अभिनेत्री विजेता मिस बुंदेलखंड अब दिखेंगी नए अंदाज में एस.के अकैडमी ऑफ आर्ट सोसाइटी बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की एक बैठक ने और एस.के अकादेमी के डायरेक्टर मिस्टर समीर खान जी ने मिस नेहा कश्यप की मेहनत, लगन और टेलेंट और सोसाइटी के प्रतीक ईमानदारी को देखते हुए आगामी शो मिस्टर एन्ड मिस इंडिया किंग एंड क्वीन ऑफ द ईयर 2022 शो में जूरी मेम्बर में लेने का निर्णय लिया है। मिस नेहा कश्यप झांसी में स्थित होटल ख्3 रेजीडेंसी क्लब स्टेशन रोड मैं 28 अगस्त 2022 को होने जा रहा ऑडिशन जिसमें निर्णायक के तौर पर नेहा कश्यप उपस्थित रहेंगी। और सभी नए प्रतिभागी जो कि दूर-दूर से कई शहरों से इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं उनके टैलेंट को देखेंगे। सभी को मालूम है कि पिछले दिनों मिस बुन्देलखं की विनर रह चुकी है नेहा कश्यप । इन्होंने अपने बाँदा के सभी होनहार टेलेंटेड लोगो को इस ऑडिशन में हिस्सा लेने की अपील की है ताकि बाँदा का हर टेलेंट एक अच्छी पहचान बनाकर अपने शहर का नाम रोशन कर सके।

आधुनिक प्रयागराज पुलिस

पुलिस अधीक्षक महोबा के निर्देशन पर मिशन शक्ति अभियान चालाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। पुलिस अधीक्षक महोबा के निर्देशन पर मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिला थाना महोबा की एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सशक्तीकरण, साइबर अपराधों, आपातकालीन नंबरों एवं अन्य विभिन्न अपराधों के संबंध में जागरूक कर पम्पलेट वितरित किये गये।

शुआट्स जैकब इंस्टीट्यूट फॉर बायोटेक्नोलॉजी एण्ड बायोइंजीनिरिंग में प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। शुआट्स सेंटर टिश्यू कल्चर टेकनेलॉजी, जैकब इंस्टीट्यूट फॉर बायोटेकनेलॉजी एंड बायोइंजीनियरिंग, सैम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, टेकनेलॉजी एंड साइंसेज, प्रयागराज में बुधवार को दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्लांट टिश्यू कल्चरः ए टूल फॉर सेल्फ-सस्टेनेंसठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) शैलेश मार्कर, निदेशक, अनुसंधान निदेशालय, शुआट्सने किया। प्रो. (डॉ.) वीरू प्रकाश(संकायडीन, विज्ञान संकाय) और डॉ. सुचित ए.जॉन(एसोसिएट डीन, विज्ञान संकाय)सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना के साथ हुई जिसके बाद डॉ. प्रगति निदेशक एव हेड सी.टी.सी.टी.) ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. ईपेन पी. कोशी (पाठ्यक्रम समन्वयक) ने सेंटर फॉर टिश्यू कल्चर टेकनेलॉजी का संक्षिप्त विवरण दिया। उद्घाटन भाषण में प्रो. (डॉ.) शैलेश मार्कर ने प्रतिभागियों को अनुसंधान और विकास के लिए आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि किसानों को फसल उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिल सके। प्रो. (डॉ.) वीरू प्रकाश (फैकल्टी डीन, विज्ञान संकाय) ने प्रतिभागियों के करियर विकास में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के महत्व पर जोर दिया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. गुरुदयाल राम गुरु (पाठ्यक्रमसह समन्वयक) ने किया। कार्यक्रम में आनुवंशिकी और पादप प्रजनन विभाग, बागवानी, पादप विकृति विज्ञान, कृषि विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, शुआट्स,से बड़ी संख्या में प्रतिभागी सक्रिय रूप से भाग लिया, जो उसी क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा टिशू कल्चर परपी.के. शुक्ल, डॉ. विजय त्रिपाठी आदि भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। श्री अतुल शर्मा (पुलिस अधीक्षक) के निर्देशन में एलआईयू, एस चेक टीम, डॉग स्क्वायड टीम द्वारा भाद्रपद मास अमावस्या के दृष्टिगत रामघाट, रामायण मेला आदि स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों/वस्तुओं की चेकिंग की गयी।

बृहद रोजगार मेले का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। दिनांक 22 अगस्त 2022 को राजकीय औद्योगिक संस्थान नैनी प्रयागराज में

सेवायोजन कार्यालय एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में रोजगार मेले का आयोजन किया गया इस अवसर पर शिक्षक विधायक सुरेश कुमार त्रिपाठी के प्रतिनिधि अनुज पांडे राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी प्रयागराज के प्रधानाचार्य सुजीत कुमार श्रीवास्तव ,सहायक निदेशक सेवायोजन रतनकर , उपनिदेशक श्री रवि शेखर आनंद ,जिला सेवायोजन अधिकारी चंद्रकांत सिंह काउंसलर विश्व मोहन द्विवेदी आरबी वर्मा, केके कुशवाहा ,मीडिया प्रभारी एवं मंच संचालक नंदकिशोर बिंद् ,मेला प्रभारी अजय कुमार, वरिष्ठ फोरमैन मोहम्मद आरिफ कुरैशी, सुरक्षा प्रभारी विनोद कुशवाहा, अमृत लाल गुप्ता, भोलानाथ, शहजाद अहमद खान , के के मिश्रा ,सूर्यमणि ,सुनील मिश्रा, हेमंत शुक्ला, भाईलाल पटेल, भगवान जी शर्मा ,संजय दुबे, राकेश शर्मा ,मांडा से मिश्रीलाल ,प्रियंका विश्वकर्मा, रंजना शुक्ला ,उमर कादरी ,आर के यादव, गौरव ,मनीष मिश्रा , इत्यादि सेवायोजन कार्यालय के तरफ से 16 कंपनियों ने प्रतिभाग किया जिसमें सेवायोजन कार्यालय प्रयागराज में 1451 बच्चों ने प्रतिभाग किया जिसमें 951 का सिलेक्शन हुआ गवर्मेंट आईटीआई प्रयागराज के तरफ से टाटा मोटर्स कंपनी में 48 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें 33 का चयन हुआ इस अवसर पर राजकीय औद्योगिक संस्थान नैनी प्रयागराज के सभी कर्मचारी एवं सेवायोजन कार्यालय के सभी कर्मचारी, ,मीडिया, पुलिस फोर्स इत्यादि लोग उपस्थित थे और काफी सहयोग भी किए । इसके लिए प्रधानाचार्य सुजीत कुमार श्रीवास्तव ने सबको धन्यवाद दिया ।

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। ए0डी0जी0 के जोनल कार्यालय प्रयागराज मे श्री प्रेमप्रकाश ए0डी0जी0 जोन प्रयागराज एवं सहायक मंडल प्रबंधक प्रयागराज, श्री अनिल कुमार द्वारा शिष्टाचार भेंट की गई।

(आधुनिक समाचार सेवा)
अलीगढ़। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री कलानिधि नैथनी द्वारा सहायक पुलिस अधीक्षक से अपर पुलिस पद पर प्रोन्नत होने पर श्री मनीष कुमार शांडिल्य को अशोक स्तम्भ लगाकर बधाई दीए, एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई।

थाना औद्योगिक क्षेत्र प्रयागराज पुलिस द्वारा डी–44 गैंग के माफिया एवं हिस्ट्रीशीटर दिलीप मिश्रा व शुभम मिश्रा के द्वारा आपराधिक कृत्यों द्वारा अवैध रूप से अर्जित सम्पत्ति की कुर्की की गई

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद प्रयागराज के निर्देशन मे अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे

अभियान के क्रम मे श्रीमान पुलिस अधीक्षक यमुनापर व श्रीमान क्षेत्राधिकारी करछना के पर्यवक्षण मे थानाध्यक्ष औद्योगीक क्षेत्र संजीव कुमार के नेतृत्व मे पुलिस टीम द्वारा डी-44 गैंग के माफिया/हिस्ट्रीशीटर दिलीप मिश्रा पुत्र रामगोपाल मिश्रा व शुभम मिश्रा पुत्र दिलीप मिश्रा निवासीगण लवायन कला थाना औद्योगीक क्षेत्र प्रयागराज के विरुद्ध पंजीकृत मु0अ0सं0 218/20 धारा 2/3/(1) उ0 प्र0 गिरोहबन्द एवं समाजविरोधी किया कलाम निवारण हिध0 1986 से सम्बन्धित वाद स0 डी 20220203000 वर्ष 2022 मे श्रीमान जिलाधिकरी प्रयागराज द्वारा गैंगस्टर एक्ट की धरा 14(1) मे प्रदत्त शक्यिो का प्रयास करते हुय निर्गत कुर्की आदेश सं02990/ रीडर'डीएम0-22 दिनांकित 20.08.22 के अनुपालन मे दिलीप मिश्रा व शुभम मिश्रा के द्वारा आपराधिक कृत्यो से अवैध रुप से अर्जित धन से कय की गयी 01 मोटर साइकिल CB SHINE वाहन स.0 UP70CR9001 तथा 01 बुलेट मोटरसाइकिल वाहन संख्या UP70EH4142 को नियमानुसार कुर्क कर कब्जा पुलिस मे लिया गया मोटरसाईकिल CB SHINE वाहन सं0 UP70CR9001 दिलीप मिश्रा व बुलेट मोटरसाइकिल वाहन सं0UP70EH4142 शुभम मिश्रा के नाम पर पंजीकृत है । कुर्क किये गये वाहनो को थाना स्थानीय पर सुरक्षित किया गया **कुर्क की गयी चल सम्पत्ति का विवरण-** 01 मोटर साइकिल CB SHINE वाहन स.0 UP70CR9001 , 01 बुलेट मोटरसाइकिल वाहन संख्या UP70EH4142 **पुलिस टीम का विवरण-** थानाध्यक्ष संजीव कुमार चौबे, उ0नि0 चन्दपाल सिंह, हेड कौस्टेबल नवीन राय, कौस्टेबल कृष्णपाल यादव थाना औद्योगिक क्षेत्र प्रयागराज।

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। माननीय मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, उ0प्र0 श्री जयवीर सिंह जी तथा माननीय राज्य मंत्री, श्रम एवं सेवायोजन विभाग, उ0प्र0 श्री मनोहर लाल कोरी जी द्वारा सर्किट हाउस प्रयागराज में 'अपराध एवं कानून व्यवस्था' की समीक्षा बैठक मे श्री राकेश आई0पी0एस0 द्वारा प्रतिभाग किया गया।

थाना कीडगंज जनपद प्रयागराज पुलिस द्वारा हत्या के प्रयास के अभियोग से सम्बन्धित 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 04 अदद अवैध जिंदा कारतूस बरामद

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। श्रीमान् वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रह अभियान के क्रम में श्रीमान् अधीक्षक नगार वा नेमान् क्षेत्राधिकारी नगर तृतीय के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कीडगंज राममूर्ति यादव के नेतृत्व में उ0नि0 राजू कृष्णा सिंह मय पुलिस टीम द्वारा थाना कीडगंज में पंजीकृत मु0अ0सं0– 156/2022 धारा 323/504/307 भादवि से सम्बन्धित अभियुक्त नितिन गौतम पुत्र ओमकार गौतम निवासी कृष्णा नगर कीडगंज थाना कीडगंज तनपद प्रयागराज को आज दिनांक–25.08.2022 को पीआरवी की सूचना पर पहलवान वीर बाबा मंदिर थाना क्षेत्र कीडगंज से गिरफ्तार कर कब्जे से 04 अदद जिंदा कारतूस बरामद

किये गये। बरामदगी के सम्बन्ध में थाना कीडगंज में मु0अ0सं0 157/2022 धारा 25 आयुध अधिनियम पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। **गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण–** नितिन गौतम पुत्र ओमकार गौतम निवासी कृष्णा नगर कीडगंज थाना कीडगंज जनपद प्रयागराज, उम्र 28 वर्ष सम्बन्धित अभियोग का विवरण । मु0अ0सं0 156/2022 धारा 323/504/307आई0पी0सी0 थाना कीडगंज प्रयागराज। **पंजीकृत अभियोग का विवरण–** मु0अ0सं0 157/2022 धारा 25 आयुध अधिनियम थाना कीडगंज जनपद प्रयागराज। **बरामदगी का विवरण–** 04 अदद अवैध जिंदा कारतूस । **पुलिस टीम का विवरण–** उ0नि0 राजू कृष्ण सिंह प्रभारी चौकी बैरहना थाना कीडगंज प्रयागराज, पी0आर0वी0 4502 के कर्म0गण का0 रजनीष कुमार व हो0गा0 चालक विनय तिवारी।

बलिया पुलिस की उपलब्धि हत्याकांड का खुलासा

(आधुनिक समाचार सेवा)
बलिया। कातिल किसी भी जधंय घटना को अंजाम देने के उपरांत अपनी चतुराई से बच निकलने का जितना भी प्रयास कर ले किन्तु कर्तव्यनिष्ठ पुलिस के गिरफ्त मे एक ना एक दिन आना ही पड़ता है। ऐसे ही एक जधंय हत्याकांड घटना का पर्दाफाश होने के उपरांत देखने-सुनने को मिली।जहा उभांव थाना क्षेत्र मे विगत सप्ताह रात को अज्ञात हत्याकांड की घटना हुई थी।जिसका खुलासा पुलिस ने कर ही दिया। इस अज्ञात हत्याकांड का पुलिस ने पर्दाफाश कर कातिल तक पहुंचने के लिए उभांव प्रभारी निरीक्षक अविनाश कुमार सिंह को

पहले अपनी खुफिया तंत्र की जाल फैलानी पड़ी जिसके परिणाम स्वरूप महज दो सप्ताह के अंदर ही कातिल की तह तक पहुंचने मे उन्हे सफलता हासिल हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के उभांव थाना क्षेत्र के फरसाटार गांव में 15 दिन पूर्व सड़क के किनारे अपने डेरे पर सोए हुए एक 50 वर्षीय अधेड़ व्यक्ति की हत्या होने के मामले में बलिया की उभांव पुलिस ने शनिवार को घटना का पर्दाफाश करते हुए हत्या में शामिल दो अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।पुलिस के अनुसार मृतक भागीरथी झाड़फूंक करता था। भूत प्रेत के चक्कर मे इसकी हत्या हुई है।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रमों की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्पूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफ्रिरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभिन्न पाठ्क्रमों में रिक्त की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफल **प्रशिक्षणार्थियों** को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते **सभी** सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा **विद्यार्थियों** के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः **31 अगस्त 2022**
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्रः– 7518828710, , 9415608710, 6386474074, 9415608790

विभिन्न जनपदों में 144 नवनिर्मित आवासीय अनावासीय भवनों का हुआ लोकार्पण

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। थाना रामपुर बरकोनिया परिसर में एवं थाना रायपुर पन्नूगंज दुद्धी में नवनिर्मित 16 कर्मियों की क्षमता का बैरक/हास्टल एवं विवेचना कक्ष का लोकार्पण योगी आदित्यनाथ, मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार के कर कमलों द्वारा प्रमुख सचिव गृह महोदय एवं पुलिस महानिदेशक महोदय की उपस्थिति में वर्चुअल माध्यम से किया गया। जनपद सोनभद्र के चारो थानों में नवनिर्मित हास्टल/बैरक के वर्चुअली उद्घाटन के दौरान पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के साथ मा0 विधायक रॉबर्ट्सगंज भूपेश चौबे, क्षेत्राधिकारी सदर राहुल कुमार पाण्डेय, थाना प्रभारी रामपुर बरकोनिया अरविन्द कुमार गुप्ता सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

राबर्ट्सगंज ब्लाक प्रमुख पर लगातार भ्रष्टाचार का लग रहा है आरोप

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र।। जहाँ एक तरफ प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान में देश की जनता से सहयोग और समर्थन मांग रहे हैं वहीं सोनभद्र में भाजपा समर्थित रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक प्रमुख पर लगातार भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं। सदर ब्लॉक प्रमुख द्वारा भ्रष्टाचार व तानाशाही रवैया अपनाए जाने को लेकर जहाँ अब तक दो क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया है वहीं आज दर्जनों बीडीसी सदस्यों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर सदर ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ़ भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की और ब्लॉक प्रमुख का वित्तीय पावर सीज कर जाँच कराने की माँग की क्षेत्र पंचायत पंवर के बीडीसी सन्तोष कुमार ने आरोप लगाते हुए कहा कि केवटी पक्की रोड से होरिल हरिजन के घर तक डब्लूबीएम का कार्य लागत 3.29 लाख व ग्राम पंचायत पंवर से केवटी पुरषोत्तमपुर में मेन रोड से चंद्रिका मौर्या के घर तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य लागत मूल्य 3.91 लाख, देवरी में मेन रोड भोले के घर से मिश्रौलिया बॉर्डर तक सड़क निर्माण कार्य लागत मूल्य 4.20 लाख का भुगतान फर्जी तरीके से करा दिया गया जबकि कई कार्य अधूरा और अपूर्ण है वहीं क्षेत्र पंचायत परसौटी के बीडीसी पवन कुमार ने आरोप लगाते हुए कहा कि सुंदरीकरण के नाम पर 5.70 लाख, अरौली तालाब पर छठ घाट के निर्माण पर 8.64 लाख, वार तालाब पर छठ घाट निर्माण में 9.24 लाख, विकास खंड परिसर में अधिकारी-कर्मचारी आवास का छत मरम्मतीकरण के कार्य में 6.49 लाख व रपटा निर्माण में 1.84 लाख का भुगतान फर्जी तरीके से करा लिया गया है। बीडीसी सदस्यों ने अपने लेटर पैड पर पूरे साक्ष्य के साथ जिलाधिकारी प्रतिनिधि व डीपीआरओ को ज्ञापन सौंपते हुए पूरे मामले की जाँच कराने की मांग की और कहा कि इनका वित्तीय पावर तब तक सीज किया जाय जब तक शिकायतों की पूरी जाँच नहीं हो जाती। बीडीसी सदस्यों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द शिकायत पर विचार नहीं किया गया तो बड़ी संख्या में बीडीसी सदस्य इस्तीफा देने के लिए मजबूर होंगे।

उत्तर प्रदेश के निर्देश के अनुपालन में अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रति यूनिट खाद्य दिया जाये

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर। मीरजापुर 24 अगस्त 2022- आयुक्त तथा खाद्य विभाग उत्तर प्रदेश के निर्देश के अनुपालन में अन्त्योदय कार्डधारकों को 14 किग्रा0 गेहूं व 21 किग्रा चावल (कुल 35 किग्रा0) प्रति कार्ड तथा पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को उनके कार्ड से सम्बद्ध प्रत्येक यूनिट पर 02 किग्रा0 गेहूं व 03 किग्रा चावल (कुल 05 किग्रा0 प्रति यूनिट) वितरित कराया जाना है। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने जन सामान्य को जानकारी देते हुये बताया कि जनपद के अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को आयोडाइज्ड नमक, रिफाइण्ड सोयाबीन आयल तथा साबुत चना का निःशुल्क वितरण कराये जाने के निर्देश हैं। उक्त के दृष्टिगत जनपद के अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को माह अगस्त, 2022 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत माह जुलाई, 2022 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न को निर्धारित दरों अर्थात गेहूं- रु0 02 प्रति किग्रा0 तथा चावल-रु0 03 प्रति किग्रा की दर से तथा माह जून, 2022 के सापेक्ष आयोडाइज्ड नमक, रिफाइण्ड सोयाबीन आयल तथा साबुत चने का निःशुल्क वितरण दिनांक 25.08.2022 से 31.08.2022 के मध्य कराया जाना है। कोविड-19 से उत्पन्न परिस्थितियों के दृष्टिगत आवश्यक वस्तुओं का निर्बाध रूप से वितरण सुनिश्चित कराने हेतु उचित दर विक्रेताओं द्वारा वितरण के दौरान खाद्यान्न एवं नेफेड वस्तुओं के वितरण का कार्य प्रातः काल 06:00 बजे से रात्रि 09:00 बजे तक सुनिश्चित किया जायेगा। कोविड-19 के दृष्टिगत प्रत्येक उचित दर दुकान पर विक्रेता द्वारा आवश्यक वस्तुओं के वितरण का एक रोस्टर निर्धारित कर किया जाये तथा सम्पूर्ण वितरण को कम से कम 05 दिवसों में विभक्त करते हुये सुविधाजनक ढंग से वितरण कराया जायेगा ताकि उचित दर दुकानों पर भारी भीड़ एकट्ठी न हो तथा सर्वर स्लो होने की स्थिति में उपभोक्ताओं को अनावश्यक देर तक प्रतीक्षा करने की असुविधा का सामना न करना पडे। उचित दर दुकानों पर टोकन सिस्टम लागू करते हुये सुनिश्चित किया जाए कि एक दुकान पर एक समय 05 से अधिक उपभोक्ता न रहें और सोशल डिस्टेन्सिंग बनाये रखने के लिए दो उपभोक्ताओं के मध्य कम से कम 02 गज की दूरी रखी जाए। सम्बन्धित क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी / पूर्ति निरीक्षक का यह दायित्व होगा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 योजना के अन्तर्गत प्राप्त खाद्यान्न तथा अन्य सामग्री का वितरण नियमानुसार कराया जाना सुनिश्चित करेंगे तथा यह विशेष ध्यान रखेंगे कि कोई भी राशन कार्डधारक / लाभार्थी खाद्यान्नतथा अन्य वस्तुएं पाने से वंचित न रहे। यह विशेष ध्यान रखेंगे कि उक्त खाद्यान्न का किसी भी दशा में डायवर्जन / कालाबाजारी न हो ।

दुष्कर्म के दोषी संतोष को 15 वर्ष की कैद

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। अपर सत्र न्यायाधीश (सीएडब्लू) सोनभद्र आशुतोष सिंह की अदालत ने 13 वर्ष पूर्व कालेज

80 हजार रुपये अर्थदंड, न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद
- अर्थदंड की आधी धनराशि 40 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगी
- 13 वर्ष पूर्व कालेज गई छात्रा का अपहरण कर बंधक बनाकर दुष्कर्म करने का मामला

गई छात्रा का अपहरण कर उसे बंधक बनाकर दुष्कर्म करने के मामले में सुनवाई करते हुए सोमवार को दोषसिद्ध पाकर दोषी संतोष कुमार नाई को 15 वर्ष की कैद एवं 80 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी। वहीं पीड़िता को अर्थदंड की आधी धनराशि 40 हजार रुपये मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक पन्नूगंज थाना क्षेत्र के एक गांव के व्यक्ति ने राबर्ट्सगंज कोतवाली में दी तहरीर में आरोप लगाया था कि 12 अक्तूबर 2009 को सुबह उसकी बेटी जो बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा है कालेज पढ़ने गई थी। राबर्ट्सगंज रेलवे फाटक के पास से पन्नूगंज थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव निवासी संतोष कुमार नाई पुत्र रामेश्वर नाई ने अपहरण कर बेटी को वाराणसी ले जाकर बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा और शादी का दबाव बना रहा था। शादी न करने पर जान से मारने की धमकी देता था। इसकी जानकारी 21 नवंबर 2009 को शाम 7 बजे बेटी ने फोन करके दिया। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया। पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी संतोष कुमार नाई को 15 वर्ष की कैद एवं 80 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी। जबकि पीड़िता को अर्थदंड की आधी धनराशि 40 हजार रुपये मिलेगी।अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील विनोद कुमार पाठक एडवोकेट ने बहस की।

अपर जिलाधिकारी उप संचालक चकबन्दी ने अपने जारी कीया आदेश

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर। मीरजापुर 24 अगस्त 2022- अपर जिलाधिकारी (भू-राजस्व)/उप संचालक चकबन्दी सत्य प्रकाश सिंह ने जानकारी देते हुये बताया है कि उप संचालक चकबन्दी मीरजापुर में चतुर्थ श्रेणी भर्ती के लिये 2006 में जारी विज्ञापन को तात्कालिक प्रभाव से निरस्त किया जाता हैं। अपर जिलाधिकारी (भू-राजस्व)/उप संचालक चकबन्दी ने अपने जारी आदेश में कहा है कि प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश, शासन के पत्र संख्या 1096/ एक -8-2022 -रा0-8 दिनांक 15.06.2022 के अनुपालन में जारी निदेशालय के पत्र संख्या 161/ ई0-128/2015-16 दिनांक 23 जून, 2022 व पत्र संख्या 4677/ई0-1281/06-07 दिनांक 18 अगस्त, 2006 के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारो का प्रयोग करते हुए, मैं सत्य प्रकाश सिंह, अपर जिलाधिकारी (भू-राजस्व)/ उप संचालक चकबन्दी, मीरजापुर चतुर्थ श्रेणी भर्ती परीक्षा 2006 के लिए जारी विज्ञापन संख्या 111/ आ0लि0-नियुक्ति (06-07), दिनांक 21 अगस्त, 2006 को एतद्द्वारा निरस्त करता हूँ।

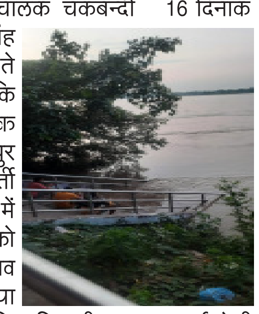

29 ,टन पाइप एवं 6वाहन के साथ तीन अभियुक्तों कि हुई गिरफ्तारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। भारत सरकार द्वारा संचालित हर घर जल योजना नमामि गंगे के अन्तर्गत एल एण्ड टी कम्पनी की तरफ से जनपद सोनभद्र में विभिन्न जगह लगाई जा रही पाइपलाइनों के लिए जगह जगह रखी गयी पाइपों की चोरी होने की बढ़ती घटनाओं के रोकथाम हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी सोनभद्र के निकट पर्यवेक्षण में थाना अनपरा सोनभद्र में गठित टीम द्वारा दिनांक 23.08.2022 को मुखबिर की सूचना पर धनखड़ मोड़ बैरपान करके बरामद हाइड्रोलिक ट्रैक्टर से पाइप उठाकर उन्हें लादकर कानपुर ले जाकर 2200 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बेच देते थे । इस दौरान ट्रक ड्राइवरों को केवल यह बताया जाता था कि माल रिजेक्टेड है । जी.एस.टी. की पर्ची काटने के उपरान्त उसे कैन्सिल करके टैक्स की भी चोरी की जाती थी । इनके द्वारा दिनांक 20.08.2022 को लोटे थाना अनपरा व मकरा थाना पिपरी से दिनांक 21.08.2022 की रात्रि में उक्त पाइपों की चोरी की गयी थी जिसके संबंध में थाना अनपरा पर मु0अ0सं0 -146 /2022 धारा 379. 511 भादवि व थाना पिपरी पर

थाना क्षेत्र अनपरा से 03 ट्रकों (टाटा 1412 डी.सी.एम, आइसर व कण्टेनर) में नमामि गंगे जलापूर्ति की सरकारी योजना का चोरी का 87 अदद पाइप कुल वजन 29 टन व फर्जी कूट रचित ई - वे बिल व ट्रांसपोर्ट की बिल्टी के साथ 03 नफर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया । इस दौरान दो व्यक्ति अंधेरे व जंगल का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे जिनकी तलाश की जा रही है । उनके कब्जे से बरामद बोलेरो का नम्बर प्लेट निकाल कर इनके द्वारा पहले रेकी की जाती थी । इसके उपरान्त फर्जी बिल व कागजात तैयार कर ट्रान्सपोर्टरों के माध्यम से ट्रकों की व्यवस्था मु0ण0सं0- 109 / 2022 धारा 379 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया है । इन्हीं चोरी के रुपयों से हाल ही में सरगना द्वारा 24, 5122 नम्बर की बोलेरो गाड़ी खरीदी गई है । **नाम-पता अभियुक्तगण** 1. विकास कुमार पटेल पुत्र जयराम पटेल निवासी कुसही, थाना दिनारा, रोहतास, बिहार, हाल-पता कटेसर रतनपुर पड़ाव, थाना मुगलसराय, जनपद चन्दौली, उम्र 28 वर्ष । 2. संदीप कुमार पटेल पुत्र जयराम पटेल, निवासी कुसही, थाना दिनारा, रोहतास, बिहा,र हालपता-कटेसर रतनपुर पड़ाव थाना मुगलसराय जनपद चन्दौली उम्र 32 वर्ष । 3. अमित उर्फ अनुपम पाण्डेय पुत्र सिद्धनाथ पाण्डेय, निवासी हुसैनीपुर, महराजगंज, थाना औराई, जनपद भदोही, उम्र 26 वर्ष । **बरामदगी :-** 01. 29 टन पाइप (कीमत करीब 12 लाख रुपये) 02. 02 ट्रक वाहन संख्या 78 , 7776 एवं 78, 7734 03. 02 डीसीएम वाहन संख्या 38 4745 व 04 , 5824 04. 01 ट्रैक्टर (हाइड्रा) 05. 01 बोलेरो वाहन संख्यीं 24 5122 06. फर्जी कूटरचित बिल्टी व ई-वे-बिल व कोरे ई-वे-बिल- के कागजात । **आपराधिक इतिहासः-** मुख्य सरगना विकास कुमार के विरुद्ध थाना हलिया, जनपद मीरजापुर पर मु0अ0सं0 149/ 2021 धारा 379, 411 भादवि का अभियोग पंजीकृत है । **पुलिस टीम का विवरणः-** 01. प्रभारी निरीक्षक श्रीकान्त राय, थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र । 02. उ0नि0 संतोष कुमार सिंह, थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र । 03. उ0नि0 चन्द्रभान सिंह, थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र । 04. आरक्षी नितेश सिंह, थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र । 05. आरक्षी अभिमन्यु पाण्डेय, थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र । 06. आरक्षी निर्भय सिंह, थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र । 07. आरक्षी शिवम मिश्रा, थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र ।

क्षेत्राधिकारी व हाथीनाला पुलिस ने किया जंगल में काम्बिंग

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन पर जनपद में नक्सली संचरण पर प्रभावी रोकथाम रखने, दूरस्थ व पहाड़ी क्षेत्रों के निवासियों से समन्वय स्थापित रखने व जनता में सुरक्षा की भावना बनाये रखने एवं

अभिसूचना संकलन के उद्देश्य से आज मंगलवार को ओबरा क्षेत्राधिकारी के नेतृत्व में हाथी नाला थाना क्षेत्र के रानी ताली एवं सऊदीह के जंगलों में मय फोर्स के साथ सघन कॉम्बिंग की गयी । वहीं इस दौरान स्थानीय लोगों से वार्ता कर उन्हें मुख्य धारा में रहकर पुलिस का सहयोग करने व किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि दिखने या नक्सली संचरण के विषय मे जानकारी होने पर तत्काल पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन को अवगत कराने हेतु अपिल किया गया।

फरार चल रहे वारंटी अभियुक्त को डाला पुलिस ने गिरफ्तार कर

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। स्थानीय डाला पुलिस चौकी क्षेत्र से एक वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा गया जेल इस संबंध में जानकारी देते हुए डाला चौकी इंचार्ज सुरेशचंद्र द्विवेदी ने बताया कि मंगलवार को रोहित उर्फ कल्लू धरिकर पुत्र राज नारायण निवासी मलिन बस्ती के खिलाफ माननीय न्यायालय द्वारा मुकदमा अपराध संख्या157/13धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट न्यायालय में उपस्थित ना होने के कारण वारंट जारी किया गया था जिसके उपरांत डाला पुलिस ने अथक प्रयास कर वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर माननीय के समक्ष भेजा गया।

दिनदहाड़े छात्रा को अगवा करने का किया गया प्रयास चार गैर प्रान्तीय बदमाशो ने जबरन लड़की को अगवा करने का किया था प्रयास छात्रा के चिल्लाने के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने दौड़ाकर पकड़ी कार 0360 नम्बर की कार पर सवार थे चार बदमाश राधा कृष्ण सत्यप्रभा शिक्षा संस्थान इण्टर कालेज की बारहवी की थी छात्रा राहगीरों ने एक बदमाश को पकड़कर किया पुलिस के हवाले,चार बदमाश भागने में रहे सफल मामला जनपद सीतापुर के थाना महोली का।

ए एस जुबली इंटर कॉलेज मिर्जापुर में लोकार्पण एवं शिलान्यास.....................

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर।माननीय विधायक श्री रतनकर मिश्र द्वारा आज मिर्जापुर में जुबली इंटर कॉलेज का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया जिसमें कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे और साथ में यहां के लोकल गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे श्री रतनकर मिश्र द्वारा जुबली इंटर कॉलेज का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया।

अनियंत्रित पिकअप ने गोवंश सहित बच्चे को मारी टक्कर

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के ज्वारीडाड़ से पहले एक पिकअप के जोरदार धक्के से पाँच गायों की मौत एवं दो महिला व मासूम सहित पाँच लोग घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार में डाला के तरफ से आ रही पिकअप के आगे एकाएक गाय और दो महिला व मासूम बालक सहित पाँच लोग घायल हो गए। सूचना मिलते मौके पर पहुंचे पिआरबी हाथीनाला ने तत्काल घायलों को अपने साथ इलाज के लिए निजी क्लीनिक रानीताली पहुचाया।पिआरबी हाथीनाला ने बताया कि गाड़ी मालिक पंकज सिंह पुत्र ल्लुन सिंह हाल पता पिपरी

आ गई जिसके कारण पीकअप अनियंत्रित होकर गायों को मारते व एक लगभग चार वर्ष के मासूम को भी चपेट में लेते हुए रोड से लगभग तीस मीटर खाई में चली गई। जिसमें पाँच गाय व बैल की मौके पर ही तत्काल मौत हो गई जो अपनी माता पिता एवं पतनी के साथ दर्शन कर लौट रहे थे कि अचानक एक गाय गाड़ी के सामने आ जाने के कारण यह घटना घटी हैं बहरहाल सभी लोगों को हल्का फुल्का चोटे आई हैं।

विराट कोहली की बाबर आजम से हुई मुलाकात, लक्ष्मण की कोचिंग में भारत ने शुरू की तैयारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। एशिया कप के लिए भारतीय टीम दुबई पहुंच चुकी है। उसने बुधवार (24 अगस्त) को ट्रेनिंग शुरू कर दी है। टूर्नामेंट के लिए वीवीएस लक्ष्मण को अंतरिम कोच बनाया गया है। उनकी कोचिंग में टीम ने ट्रेनिंग शुरू की। नियमित कोच राहुल द्रविड़ जब कोरोना से ठीक हो जाएंगे तब वह टीम से जुड़ जाएंगे। ट्रेनिंग के दौरान भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली और पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम की मुलाकाता हुई। कोहली ने बाबर से हाथ मिलाया और उनसे कुछ देर बात की। इस दौरान पाकिस्तानी टीम के अन्य सदस्य उन्हें देखकर मुस्कुरा रहे थे। बाबर और विराट की तुलना हमेशा होती है। बाबर ने बहुत कम

समय में अपना नाम कमा लिया है और उनकी तुलना कोहली से होती है। कोहली के अलावा वीडियो में हार्दिक पांड्या, युजवेंद्र चहल, सूर्यकुमार यादव, रविचंद्रन अश्विन, दिनेश कार्तिक और अर्शदीप सिंह सहित अन्य खिलाड़ी नजर आए। चहल और हार्दिक ने अफगानिस्तान के खिलाडि़यों से मुलाकात की। हार्दिक आईपीएल में गुजरात टाइटंस के कप्तान हैं। उनकी कप्तानी में राशिद खान भी खेलते हैं। हार्दिक ने राशिद से लंबी बातचीत की। इस दौरान मोहम्मद नबी वहां मौजूद थे। राशिद से विराट ने भी बात की। दस माह बाद 28 अगस्त को दुबई में एशिया कप में भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने-सामने होंगी। इससे पहले दोनों इसी मैदान पर 24 अक्तूबर 2021 में टी-20 विश्वकप में खेले थे, जिसमें पाकिस्तान को 10 विकेट से जीत मिली थी। रही बात एशिया कप में भारत-पाक भिड़ंत की तो टीम इंडिया का यहां पलड़ा भारी है। उसने 14 मैचों में से आठ में जीत हासिल की है, जबकि पाक को पांच में जीत मिली है। सबसे अहम बात यह है कि एशिया कप में बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम ज्यादा फायदे में रही है। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने सात तो पाकिस्तान ने तीन बार जीत दर्ज की है। भारत-पाक मुकाबले के अलावा वैसे भी एशिया कप में भारत सर्वश्रेष्ठ टीम रही है। भारत सात बार विजेता बना है, जबकि तीन बार वह उपविजेता रहा है। पाकिस्तान दो बार खिताब जीता है।

मेरी बल्लेबाजी में दिक्कत नहीं, खराब दौर से बाहर निकलूंगा', एशिया कप से पहले कोहली ने भरी हुंकार

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। एशिया कप में क्रिकेट से ब्रेक के बाद टीम में वापसी करने वाले कोहली पर सभी की निगाहें होंगी। विराट पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप से पहले एशिया कप में उनके पास फॉर्म में वापसी का सुनहरा मौका है। भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। इसके लिए उनकी आलोचना भी हो रही है। कोहली ने नवंबर 2019 के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक नहीं लगाया है। वह इंग्लैंड के खिलाफ पिछले महीने हुई सीरीज के बाद ब्रेक पर चले गए थे। अब विराट ने टीम इंडिया में वापसी की है। वह एशिया कप में जमकर रन बनाने के लिए तैयार हैं। कोहली ने टूर्नामेंट से पहले अपने फॉर्म को लेकर बात की और कहा कि उनकी बल्लेबाजी में कोई दिक्कत नहीं है। उन्हें इस बात का भरोसा है कि वह जल्द ही खराब दौर से बाहर निकलेंगे। विराट ने एशिया कप के ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम 'गेम प्लान' में कहा, ''इंग्लैंड में जो हुआ, वह एक तरह का पैटर्न था। वह ऐसा था जिस पर मैं काम कर सकता था और उसे दूर कर सकता था। अभी कुछ भी ऐसा नहीं

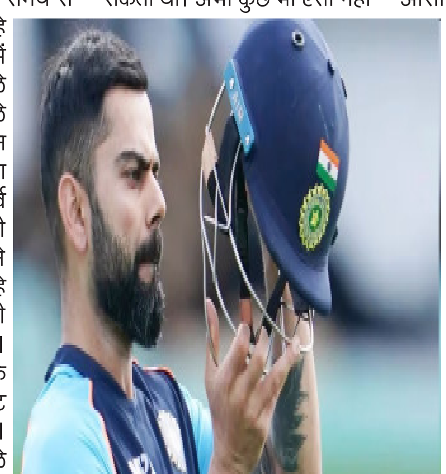

है जिसे आप कह सकें कि यहां समस्या हो रही है। मुझे बल्लेबाजी में कोई दिक्कत नहीं आ रही है। कई मुझे ऐसा लगता है कि लय वापस आ गई है तो मुझे इससे पता चलता है कि मैं अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं।''कोहली ने आगे कहा, ''मुझे यह पता है कि मैं क्या कर रहा हूं। अगर आप मुश्किल परिस्थितियों और अलग-अलग गेंदबाजी का मुकाबला करने के लिए तैयार नहीं रहते हैं तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतनी दूर तक नहीं चल पाते हैं। मेरे लिए यह प्रक्रिया आसान है, लेकिन मैं इसे अपने पीछे नहीं रखना चाहता। मैं इससे सीखना चाहता हूं और यह समझने का प्रयास करता हूं कि एक खिलाड़ी और इंसान के रूप में मेरे लिए मूल मूल्य क्या है। मुझे यह पता कि उतार-चढ़ाव आएंगे। मैं इस दौर से बाहर भी निकलूंगा। मेरे लिए मेरा अनुभव खास है।''एशिया कप में क्रिकेट से ब्रेक के बाद टीम में वापसी करने वाले कोहली पर सभी की निगाहें होंगी। विराट पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप से पहले एशिया कप में उनके पास फॉर्म में वापसी का सुनहरा मौका है। वह आईपीएल 2022 की 16 पारियों में 22.73 की औसत से 341 रन बनाने में सफल रहे थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कोहली के हालिया रन 17,16, 11 और 1 हैं। यह उनके गिरते फॉर्म को दर्शाता है। विराट से टीम इंडिया को इस टूर्नामेंट अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

शुभमन को मिला शानदार प्रदर्शन का लाभ, वनडे रैंकिंग में लगाई लंबी छलांग, विराट पांचवें नंबर पर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन को एक स्थान का नुकसान हुआ। उन्होंने जिम्बाब्वे में तीन मुकाबलों में तीन मैचों में 154 रन बनाए थे। धवन ने पहले और तीसरे मैच में अर्धशतकीय पारी खेली थी। वह 12वें स्थान पर

खिसक गए। भारतीय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल बुधवार को जारी आईसीसी वनडे रैंकिंग में 45 पायदान की छलांग के साथ 38वें स्थान पर पहुंच गए हैं। 22 वर्षीय युवा खिलाड़ी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई तीन मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने हरारे में आखिरी मैच में अपना पहला शतक बनाया था। गिल ने 97 गेंद की पारी में 130 रन बनाए थे। रैंकिंग में पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली 744 के रेटिंग अंक के साथ अपने पांचवें स्थान पर कायम हैं। कोहली ने जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं लिया था। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को भी जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में आराम दिया गया था। वह छठे स्थान पर काबिज हैं। हालांकि, अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन को एक स्थान का नुकसान हुआ। उन्होंने जिम्बाब्वे में तीन मुकाबलों में तीन मैचों में 154 रन बनाए थे। धवन ने पहले और तीसरे मैच में अर्धशतकीय पारी खेली थी। वह 12वें स्थान पर खिसक गए। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम शीर्ष पर कायम हैं। उनके 891 रेटिंग अंक हैं। बाबर के बाद दूसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के रसी वान डर डुसेन हैं। उनके 789 रेटिंग अंक हैं। गेंदबाजी में न्यूजीलैंड के स्टार तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट शीर्ष पर हैं। भारत के जसप्रीत बुमराह चौथे स्थान पर हैं। ऑलराउंडर की सूची में बांग्लादेश के शाकिब अल हसन पहले पायदान पर हैं। शीर्ष दस में कोई भारतीय नहीं है।

भारत-पाकिस्तान के साथ ग्रुप ए में किस टीम को मिलेगी जगह, तीन टीमों के बीच जंग

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। एशिया कप के ग्रुप बी में बांग्लादेश और श्रीलंका के साथ अफगानिस्तान की टीम है, जबकि ग्रुप ए में भारत और पाकिस्तान हैं। तीसरी टीम का फैसला आज होना है। इस स्थान के लिए अभी भी तीन टीमें दावेदारी कर रही हैं। एशिया कप 2022 में मुख्य दौर के

मैच 27 अगस्त से शुरू होने है। उससे पहले क्वालीफायर राउंड खेला जा रहा और आज इसका आखिरी दिन है। आज तय होगा कि भारत और पाकिस्तान के साथ ग्रुप ए में किस टीम को खेलने का मौका मिलेगा। इस एक स्थान के लिए चार टीमों के बीच टक्कर थी, लेकिन सिंगापुर की टीम अपने दोनों मैच हारकर बाहर हो चुकी है। हालांकि, अभी भी उसके पास कुवैत का खेल खराब करने का मौका है। वहीं, बाकी तीन टीमें अभी भी फाइनल की रेस में बनी हुई हैं। फिलहाल हॉन्ग-कॉन्ग और यूएई का दावा सबसे ज्यादा मजबूत है। वहीं, कुवैत के पास भी बड़ी हासिल कर मुख्य दौर में जगह बनाने का मौका है। आइए जानते हैं एशिया कप के क्वालीफायर राउंड के समीकरण क्या हैं। क्या हैं समीकरण मुख्य दौर में पहुंचने के लिए तीन टीमें दावेदारी पेश कर रही हैं। दोनों मैच जीतने वाले हॉन्ग-कॉन्ग को यूएई के खिलाफ आखिरी मैच जीतना होगा और यह टीम मुख्य दौर में पहुंच जाएगी। यूएई के लिए भी हालात समान हैं। अगर यह टीम हॉन्ग-कॉन्ग को हराती है तो मुख्य दौर में पहुंच जाएगी, लेकिन सिंगापुर के खिलाफ कुवैत को बड़ी जीत मिलने पर यूएई को भी रन रेट के हिसाब से जीत का अंतर बढ़ाना होगा। कुवैत के लिए हालात काफी मुश्किल हैं। अगर यह टीम सिंगापुर के खिलाफ बहुत बड़े अंतर से जीत हासिल करती है तो इसे उम्मीद करनी होगी कि यूएई को हॉन्ग-कॉन्ग के खिलाफ बहुत करीबी जीत मिले। इस स्थिति में तीनों टीमों के पास चार अंक होंगे और बेहतर रन रेट के आधार पर कुवैत मुख्य दौर में जगह बनाएगा। अपने दोनों मैच जीतने वाले हॉन्ग-कॉन्ग के पास चार अंक हैं और यूएई के खिलाफ तीसरा मैच जीतने पर यह टीम छह अंक के साथ मुख्य दौर में जगह बना लेगी। इस टीम के साथ रन रेट का झंझट नहीं है। हालांकि, हॉन्ग-कॉन्ग ने अब तक यूएई को अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच में कभी नहीं हराया है। यूएई के लिए भी मुख्य दौर की राह काफी आसान है। अपने पहले मैच में चौकाने वाली हार के बाद इस टीम ने दूसरा मैच बडे़ अंतर से जीता और यूएई का रन रेट सबसे ज्यादा 1.045 का है, जबकि उसके पास दो अंक हैं। हॉन्ग-कॉन्ग को हराने पर यूएई के पास भी चार अंक हो जाएंगे और बेहतर रन रेट के आधार पर यह टीम मुख्य दौर में पहुंचेगी। हालांकि, सिंगापुर के खिलाफ कुवैत को बड़ी जीत मिलने पर कुवैत का रन रेट भी बढ़ जाएगा। इस स्थिति में यूएई को भी बड़े अंतर से जीत हासिल करनी होगी।

पाकिस्तानी टीम के साथ दुबई पहुंचे शाहीन अफरीदी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अफरीदी ट्रेनिंग के दौरान अफगानिस्तान की टीम के दो अनुभवी खिलाड़ी मोहम्मद नबी और राशिद खान से बात करते हुए दिखाई दिए। इसके बाद से

सोशल मीडिया पर लोग पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का जमकर मजाक उड़ा रहे हैं। पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी इन दिनों लगातार चर्चा में बने हुए हैं। अफरीदी चोट के कारण एशिया कप से बाहर हो चुके हैं। उनके बाहर होने के बाद पाकिस्तान के कई पूर्व खिलाड़ी बयान दे चुके हैं और इसे टीम के लिए बड़ा झटका बताया है। इसी बीच, अफरीदी पाकिस्तानी टीम के साथ दुबई में देखे गए हैं। एयरपोर्ट और ट्रेनिंग ग्राउंड से उनकी तस्वीरें सामने आई हैं। अफरीदी ट्रेनिंग के दौरान अफगानिस्तान की टीम के दो अनुभवी खिलाड़ी मोहम्मद नबी और राशिद खान से बात करते हुए दिखाई दिए। इसके बाद से सोशल मीडिया पर लोग पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का जमकर मजाक उड़ा रहे हैं। पीसीबी द्वारा जारी फोटो में अफरीदी कप्तान बाबर आजम और विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान के साथ नजर आए।अफरीदी के स्थान 22 साल के युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद हसनैन को टीम में शामिल किया गया है। हसनैन पाकिस्तान के लिए 18 अंतरराष्ट्रीय टी20 खेल चुके हैं। इस दौरान उनके नाम 17 विकेट हैं। पाकिस्तानी टीम में हसनैन के अलावा अब नसीम शाह, शाहनवाज दहानी, मोहम्मद वसीम जूनियर और हारिस रउफ तेज गेंदबाज हैं। 27 अगस्त से शुरू हो रहे एशिया कप में पाकिस्तान का पहला मुकाबला भारत से होगा। इन दोनों टीमों को ग्रुप ए में रखा गया है। गरुप ए में कुल तीन टीमें है, भारत और पाकिस्तान के अलावा क्वालिफायर राउंड में जीतने वाली टीम इस ग्रुप में जगह बनाएगी।

वीवीएस लक्ष्मण एशिया कप में होंगे टीम इंडिया के अंतरिम कोच जिम्बाब्वे से सीधे दुबई पहुंचे

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। लक्ष्मण को आयरलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी कार्यवाहक कोच बनाया गया था। नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) के प्रमुख लक्ष्मण को जिम्बाब्वे से भारत लौटना था, लेकिन वह यूएई पहुंच गए हैं। भारत को एशिया कप में अपना पहला मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ रविवार (28 अगस्त) को खेलना है। टीम इंडिया की तैयारियों को उस समय बड़ा झटका लगा जब मुख्य कोच राहुल द्रविड़ कोरोना संक्रमित हो गए। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस मुश्किल घड़ी में वीवीएस लक्ष्मण से मदद ली है। उन्हें टीम

के साथ यूएई में रहने के लिए कहा गया है। बीसीसीआई ने बुधवार को बताया कि लक्ष्मण को एशिया कप के लिए टीम का अंतरिम कोच बनाया गया है। लक्ष्मण को आयरलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी कार्यवाहक कोच बनाया गया था। नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) के प्रमुख लक्ष्मण को जिम्बाब्वे से भारत लौटना था, लेकिन वह यूएई पहुंच गए हैं। जिन खिलाडि़यों को एशिया कप के लिए नहीं चुना गया है, वह स्वदेश लौट चुके हैं। लक्ष्मण के साथ उपकप्तान केएल राहुल, दीपक हुड्डा और आवेश खान दुबई पहुंचे। लक्ष्मण दुबई रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया से जुड़ गए हैं। बीसीसीआई ने द्रविड़ के विकल्प के तौर पर उन्हें दुबई भेजा है। द्रविड़ कोरोना से ठीक होने के बाद टीम से जुड़ जाएंगे। लक्ष्मण की कोचिंग में टीम इंडिया ने आयरलैंड को दो टी20 मैचों की सीरीज में 2-0 और जिम्बाब्वे को तीन वनडे मैचों की सीरीज में 3-0 से हराया था। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने द्रविड़ के कोविड पॉजिटिव होने की बात बताई थी। उन्होंने कहा था कि टीम इंडिया के दुबई निकलने से पहले कोरोना टेस्ट में राहुल संक्रमित पाए गए। उन्हें हल्के लक्षण हैं और बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी देख-रेख कर रही है। द्रविड़ फिलहाल टीम के साथ यूएई नहीं जाएंगे और पारस महाम्ब्रे को उनकी भूमिका दी जाएगी। कोरोना से उबरने के बाद द्रविड़ भारतीय टीम के साथ जुड़ पाएंगे। एशिया कप 2022 इस साल टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा और इसकी शुरुआत 27 अगस्त से हो रही है। भारत का पहला मैच 28 अगस्त को पाकिस्तान के साथ है। दुबई में होने वाले इस मुकाबले में टीम इंडिया जीत हासिल कर 2021 में मिली हार का बदला लेना चाहेगी। पिछले साल पाकिस्तान ने भारत को दुबई में ही 10 विकेट से हराया था। यह पहला मौका था, जब टीम इंडिया विश्व कप के किसी मुकाबले में पाकिस्तान से हारी थी। अब भारत के पास इस हार का बदला लेने का मौका है। एशिया कप के लिए भारतीय टीम रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दीपक हुड्डा, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, आर अश्विन, युजवेंद्र चहल, रवि बिशनेई, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, आवेश खान।

राशीफल

मेष-:आज का दिन आपके लिए भाग्य और कर्म का अद्भुत संयोग बनने वाला है। पुराने समय के रुके हुए कार्य आज गति पकड़ेंगे। किसी महिला मित्र के सहयोग से उन्नति के योग हैं।

वृष-:आज आपने जो सोचा है वो सभी काम पूरे होंगे। आप किसी नए व्यवसाय में पैसा लगाने के बारे में सोच सकते हैं। आज आपके लिए कई चीजें फायदेमंद होंगी।

मिथुन-:आज आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना का कारण बन सकता है। आपका साहस आपको प्यार दिलाने में सफल होगा। दूसरों को यह बताने में जल्दबाजी न करें कि आज आप कैसा

कर्क-:आज आपका आत्मविश्वास और साहस चरम पर रहेगा. राजनीति या सामाजिक कार्य से जुड़े लोग कई सभाओं आदि में भाग लेंगे। आपको मान-सम्मान मिलेगा और कोई नई जिम्मेदारी भी मिल सकती है।

सिंह-:आज आपके मन में किसी खास काम को लेकर कोई नया विचार आ सकता है. आप जल्द ही इस पर काम शुरू कर सकते हैं। काम की रूपरेखा पहले से बना लें, यह फायदेमंद साबित होगा।

कन्या-:नए व्यापारिक संबंधों और सौदों को अंतिम रूप देने के लिए यह एक अनुकूल अवधि है। कार्य संबंधी यात्राएं और सहयोग आने वाले महीनों में सकारात्मक परिणाम देगा।

तुला-:यदि आप अपना खुद का व्यवसाय कर रहे हैं तो साझेदारी में प्रवेश करने का यह एक अच्छा समय है जो भविष्य में फायदेमंद होगा. यदि आप नौकरी के लिए परीक्षा या प्रतियोगिता या साक्षात्कार में शामिल।

वृश्चिक-:आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. अपनी मेहनत से परिवार की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में सफल रहेंगे। आज आपको किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिल सकती है।

धनु-: आप प्रसन्न और प्रफुल्लित रहेंगे। आपको कई अवसर प्राप्त होंगे और आपको वरिष्ठों का सहयोग प्राप्त होगा। आपके करियर और आपकी आर्थिक स्थिति में भी काफी सुधार होगा। प्रेमियों का समय सुखद रहेगा।

मकर-:आज आपको अपनी निजी बातें दूसरों से साझा करने से बचना चाहिए. भाग्य का साथ मिलने में थोड़ी परेशानी हो सकती है। आप किसी सामाजिक कार्य में अपना सहयोग दे सकते हैं।

कुंभ-:आपकी माँ की सेहत आपको चिंतित रखेगी और आपके बच्चे भी अच्छे स्वास्थ्य में नहीं हो सकते हैं. लेकिन भौतिक समृद्धि की स्थिति बहुत फायदेमंद रहेगी और आपको विभिन्न स्रोतों से लाभ होगा।

मीन-:आज आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। आज किसी अधूरे काम में हाथ डालकर जल्दी ही पूरा हो सकता है। ऑफिस में प्रमोशन का नया मौका मिल सकता है। इस राशि के छात्र अगर योजना बनाकर तैयारी करें तो करियर ।

शुभमन और सारा की दोस्ती में दरार

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कियाजिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज में भारतीय टीम ने 3-0 के अंतर से जीत हासिल की है। हालांकि, भारतीय टीम के जीतने की उम्मीद पहले ही लगाई जा रही थी, लेकिन इस सीरीज में शुभमन गिल ने जो किया उसकी उम्मीद

कम थी। गिल ने तीन मैचों की सीरीज में 245 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से तीन बेहतरीन पारियां निकलीं। इनमें एक शतक भी शामिल था। यह गिल के करियर का पहला शतक था। 130 रन की शानदार पारी के साथ गिल ने सचिन तेंदुलकर का 24 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। सीरीज के आखिरी मैच में शतक लगाने के बाद गिल चर्चा में आ गए और सचिन की बेटी सारा के साथ उनके अफेयर की कहानियां फिर से सोशल मीडिया पर ट्रेंड होने लगीं। यूजर्स ने दोनों को लेकर कई तरह के मीम बनाए।

गेंदबाजी का अभ्यास, बच्चे की देखभाल और प्राइवेट जेट में सफर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। देखें हार्दिक की जिंदगीएशिया कप में भारतीय टीम का पहला मुकाबला पाकिस्तान के साथ है और इस मुकाबले में ज्यादा समय नहीं बचा है। 27 अगस्त से शुरू हो रहे एशिया कप के लिए सभी टीमें यूएई पहुंच चुकी हैं और तैयारी भी शुरु कर दी है। भारतीय टीम भी अपने मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के बिना दुबई पहुंच चुकी है और सभी खिलाडि़यों ने तैयारी शुरू कर दी है। इस बीच हार्दिक पांड्या ने एक वीडियो शेयर कर बताया है कि उनका जीवन कैसा चल रहा है और किस तरह

पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए तैयारी कर रहे हैं। हार्दिक ने अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने सुबह से लेकर रात तक की अपनी पूरी दिनचर्या दिखाई है। इस वीडियो को देखकर लग रहा है कि हार्दिक अपने परिवार और दोस्तों के साथ अच्छा समय बिता रहे हैं, लेकिन अपनी तैयारी के साथ समझौता नहीं कर रहे हैं। हार्दिक पांड्या ने इंस्टाग्राम में अपनी एक रील शेयर की है। इसमें उन्होंने दिखाया है कि दिन भर में वो क्या करते हैं। अपने स्वैग के लिए अलग पहचान बनाने वाले हार्दिक इस वीडियो में अपने प्राइवेट जेट में सफर करते देखे जा सकते हैं। इस दौरान उन्होंने बेहतरीन लुक में नजर आ रहे हैं। उन्होंने काले रंग की बनियान और चांदी की चैन पहन रखी है। इसके अलावा वो अपनी मां और पत्नी से मिलते हैं फिर बेटे अगस्त्य को सुलाते भी हैं। इसके बाद मैदान पर पहुंचकर हार्दिक जमकर पसीना बहाते हैं। वो अपनी गेंदबाजी और रन भागने की क्षमता पर काम करते हैं। हार्दिक पांड्या इस साल शानदार फॉर्म में हैं। आईपीएल 2022 में उन्होंने बेहतरीन वापसी की और अपनी अगुआई में गुजरात की टीम को चैंपियन बनाया। इस दौरान उन्होंने अपने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। गुजरात की टीम अपने पहले ही सीजन में चैंपियन बनी। इसके बाद हार्दिक को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच की सीरीज में भारत की कप्तानी करने का मौका मिला और भारत दोनों मैच जीता। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के आखिरी मैच में भी उन्होंने भारतीय टीम की कप्तानी की। अब रोहित शर्मा के बाद हार्दिक कप्तानी के सबसे प्रबल दावेदार बन गए हैं।

सम्पादकीय

सीखने ही होंगे वरना; स्वास्थ्य क्षेत्र में अनदेखी की भारी कीमत चुकानी होगी

भारत अब भी उन देशों में शामिल है, जहां सार्वजनिक स्वास्थ्य पर खर्च सबसे कम है। कई राज्यों में स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई-सी है। जब कोई स्वास्थ्य प्रणाली सामान्य समय में आम लोगों की सेवा नहीं कर सकती, तब यह मुश्किल ही है कि वह स्वास्थ्य संबंधी संकट के समय प्रभावी तरीके से काम कर पाएगी। कभी-कभी कॉमेडियन जनस्वास्थ्य से जुड़े संदेशों को सबसे शक्तिशाली तरीके से व्यक्त करते हैं। अमेरिका के देर रात प्रसारित होने वाले चर्चित टॉक शो के होस्ट और कॉमेडियन जॉन ओलिवर ने हाल ही में कहा, 'लंबे समय तक हम इसी चमत्कारिक सोच में उलझे थे कि वायरस कहीं और मौजूद है, इसलिए हमें उन्हें लेकर परेशान होने की जरूरत नहीं है।' मंकीपॉक्स वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल केवल नवीनतम चेतावनी है कि हमारी यह सोच कितनी त्रुटिपूर्ण है। मंकीपॉक्स की महामारी मध्य और पश्चिमी अफ्रीका के कुछ हिस्सों में दशकों से व्याप्त है। नाइजीरिया में 2017-18 में इसका जो प्रकोप फैला था, वह आज के हालात के लिए एक तरह से संकेत था। अफ्रीकी वैज्ञानिक पिछले कुछ समय से इसे लेकर चेतावनी दे रहे थे। निराशाजनक रूप से, दुनिया ने उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। अब हम अफ्रीका की अनदेखी करने की कीमत चुका रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि गैर-स्थानिक देशों में मंकीपॉक्स के प्रकोप के पीछे कई कारक हैं- चेचक के टीके की समाप्ति, बढ़ते व्यापार और गतिशीलता, कोविड-19 प्रतिबंधों में ढील, वन भूमि का अतिक्रमण, जलवायु परिवर्तन इत्यादि। वैश्विक रूप में मंकीपॉक्स के अब तक 44 हजार से अधिक मामले आ चुके हैं और 12 लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में अब तक इसके नौ मामले सामने आ चुके हैं और इसमें एक मौत भी शामिल है। इनमें दिल्ली के चार मामले और केरल में मंकीपॉक्स से हुई एक मौत शामिल है। अमेरिका और यूरोप के कुछ हिस्सों में जो हो रहा है, उसकी तुलना में यह संख्या बहुत कम है। लेकिन आत्मसंतुष्टि के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। कोरोना वायरस की महामारी अभी खत्म नहीं हुई है। कुछ अन्य देशों की तरह भारत भी सार्स-कोवि-2 के नए वैरिएंट्स और उसके विस्तार से संघर्ष कर रहा है। लाखों भारतीय कुछ अन्य बीमारियों से भी ग्रस्त हैं, लिहाजा कोविड से उनके लिए जोखिम अधिक है। दुनिया भर के वैज्ञानिक इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि एक नई महामारी कैसे, कब और कहां हो सकती है और किन उपायों से इसे रोका जा सकता है। तैयारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हालांकि भारत में तैयारियों को लेकर होने वाली चर्चा में अक्सर एक जरूरी तत्व, मानव संसाधन पीछे छूट जाता है। महामारी विशेषज्ञ डॉ. गिरिधर आर बाबू कहते हैं, 'महामारी की तैयारी कोई इवेंट नहीं है, बल्कि एक मजबूत और लचीली सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण की प्रक्रिया है, जो प्रकोपों का सक्रिय रूप से पता लगाती है और प्रतिक्रिया करती है।' महामारी की तैयारी के केंद्र में सामान्य समय के दौरान स्वास्थ्य प्रणाली की चुनौतियों के समाधान की कोशिश होती है। इसका अनिवार्य रूप से अर्थ है कि मानव संसाधनों पर ध्यान केंद्रित किया जाए, जो कि दुनिया में हर जगह प्रभावी स्वास्थ्य प्रणालियों को शक्ति प्रदान करता है। मंकीपॉक्स का प्रकोप फैलने के बाद निगरानी को लेकर ढेर सारी बातें की जा रही हैं, लेकिन बाबू कहते हैं, 'निगरानी को मजबूत करने और प्रकोपों का जवाब देने के लिए प्रयोगशाला के बुनियादी ढांचे और कुशल शासन तंत्र के साथ मानव संसाधनों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है।' इसके साथ ही वह यह भी कहते हैं, 'दुर्भाग्य से सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की निरंतर उपेक्षा पुरानी स्थिति में लौटने को प्रेरित होती है।' भारत अब भी उन देशों में शामिल है, जहां सार्वजनिक स्वास्थ्य पर खर्च सबसे कम है। कई राज्यों में स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई-सी है। जब कोई स्वास्थ्य प्रणाली सामान्य समय में आम लोगों की सेवा नहीं कर सकती, तब यह मुश्किल ही है कि वह स्वास्थ्य संबंधी संकट के समय प्रभावी तरीके से काम कर पाएगी। बाबू तो यह भी कहते हैं कि स्वास्थ्य संबंधी आपातकाल के समय तो मजबूत स्वास्थ्य प्रणालियां तक ध्वस्त हो जाती हैं। भारत में शहरी क्षेत्रों की आबादी की जरूरतों के अनुसार स्वास्थ्य कार्यबल (आशा कार्यकर्ता और एएनएम) पर्याप्त संख्या में मौजूद नहीं है। नतीजन स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होती हैं, जैसा कि कोविड-19 के दौरान देखा गया।

अब देसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की जरूरत, डिजिटल दुनिया में आजाद और मजबूत विकल्प की दरकार

एचएसबीसी ग्लोबल रिसर्च के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में भारत के इंटरनेट स्टार्ट-अप सेक्टर में करीब 4.78 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया, जिसमें अकेले 2020 में लगभग 95 हजार करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। सोशल मीडिया कंपनियों के लिए भारत एक बहुत बड़ा बाजार है। इंटरनेट आज आम आदमी की जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है। जैसे औद्योगिक युग में बिजली के इंजन ने सामाजिक और आर्थिक परिवेश को बदल दिया था, ठीक वैसे ही यह लोगों के निजी जीवन, संगठनों के आगे बढ़ने और राष्ट्रों की राजनीतिक रिवायतों को आकार देने में एक प्रमुख भूमिका अदा कर रहा है। लेकिन क्या इस डिजिटल दुनिया में हम वाकई आजाद हैं या हम अब भी उन डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर निर्भर हैं, जो पश्चिमी देशों में बनाए गए हैं और भारत जैसे देशों में विचारों को पेश कर इन्हें आगे बढ़ा रहे हैं। अन्य चीजों का जहां उत्पादन नियंत्रित होता है और दुरुपयोग को रोकने के लिए आपूर्ति राशन के मुताबिक की जाती है, सोशल मीडिया इससे उलट है और यह डाटा, कंटेंट और सूचना को लगातार विस्तार देने वाला संसार है। ऐसे प्लेटफॉर्म का स्वामित्व निजी हाथों में होता है। परिणामस्वरूप, यूजर्स के डाटा के दुरुपयोग के साथ-साथ विचारधारा, जाति, लिंग, धर्म जैसे विषयों पर दुष्प्रचार और एल्गोरिदम में हेरफेर की संभावनाएं रहती हैं। इसके अलावा, ऐसे प्लेटफार्म अपने मूल देश के कानूनों के अधीन होते हैं, जिससे उस देश

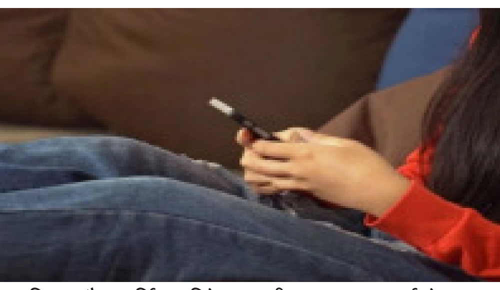

की सरकार यूजर्स के डाटा तक आसानी से पहुंच सकती हैं, फिर चाहे वह डाटा विदेशी यूजर्स का ही क्यों न हो। उदाहरण के लिए, अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी के पास प्रिज्म नाम का एक ऐसा उपकरण है, जो गूगल, फेसबुक, एप्पल जैसी प्रमुख इंटरनेट और संचार कंपनियों के यूजर्स के डाटा को एकत्र करने के लिए संविधान के प्रोटेक्ट अमेरिका ऐक्ट, 2007 के तहत बनाया गया था। हालांकि प्रिज्म में शामिल शीर्ष कंपनियां और अमेरिकी सरकार इसके अस्तित्व को नकारती रही, लेकिन तकरीबन छह वर्षों तक।

त्यागी समाज की महापंचायत नेतृत्व हीनता के कारण हुई टाय टाय फिस

नोएडा श्रीकांत त्यागी के समर्थन में नोएडा के भंगेल स्थित रामलीला मैदान में आयोजित त्यागी समाज की महापंचायत टाय टाय फिस हो गई। इस महापंचायत का मकसद स्थानीय सांसद डॉ. महेश शर्मा पर दबाव बनाने का था, लेकिन नेतृत्व के अभाव में महापंचायत बिखर गई। हालांकि त्यागी समाज के मुजफ्फर नगर के नेता मांगेराम त्यागी ने पूरे मंच को हाइजेक कर लिया। महापंचायत के सुकून से खत्म होने पर पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली है। बीती पांच अगस्त को सेक्टर-93बी स्थित ग्रैंड ओमेक्स सोसायटी में एक महिला से दुर्व्यवहार के आरोप में श्रीकांत त्यागी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। आरोप है कि श्रीकांत की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने श्रीकांत त्यागी की पत्नी अन्नू त्यागी और उसकी मामी का उत्पीड़न किया। त्यागी समाज इसके पीछे स्थानीय सांसद डॉ. महेश शर्मा को जिम्मेदार मान रहा है । डॉ. महेश शर्मा पर दबाव बनाकर इस मामले को रफा-दफा करने के मकसद से ही त्यागी समाज ने महापंचायत बुलाई थी। रविवार को भंगेल के रामलीला मैदान में शंखनाद के साथ महापंचायत का आगाज हुआ। सुबह लगभग 11 बजे तक हजारों की संख्या में त्यागी समाज के लोग वहां जमा हो गए। लेकिन, कोई संगठन और नेतृत्व न होने से दोपहर होते-होते महापंचायत बिखराव की ओर बढ़ने लगी। उसी दौरान त्यागी समाज के नेता मांगे राम त्यागी अपने समर्थकों के साथ महापंचायत में पहुंच गए। मांगे राम त्यागी ने अपने तेवर से समाज के लोगों को महापंचायत में रोकने की भरपूर कोशिश की, लेकिन उन्हें भी अपेक्षित सफलता नहीं मिली। इसके बावजूद उन्होंने पूरे मंच को हाइजेक कर लिया। मांगे राम त्यागी के निशाने पर भाजपा और सांसद डॉ. महेश शर्मा रहे। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि यदि हमारी बेटी को न्याय नहीं मिला तो हम खामोश नहीं रहेंगे। इसका खामियाजा आगामी चुनाव में निश्चित तौर पर भाजपा को भुगतना होगा। इससे पूर्व महापंचायत की शुरुआत होते ही मंच पर उन छह युवाओं को बुलाकर सम्मानित किया गया, जिन्हें श्रीकांत त्यागी की गिरफ्तारी के बाद ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी में उपद्रव करने के आरोप में जेल भेजा गया था। पंचायत में राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी ने पीड़ित अन्नू त्यागी को अपना समर्थन देने का ऐलान किया। महापंचायत में संयुक्त त्यागी

स्वाभिमान मोर्चा के प्रमुख नेता हरिओम त्यागी ने मंच से कहा कि नोएडा सांसद महेश शर्मा के इशारे पर ही पुलिस ने श्रीकांत के परिवार पर जुल्म ढाए। श्रीकांत के समर्थन में गए छह लड़कों को गुंडा बताकर पुलिस ने गंभीर धाराओं में जेल भेज दिया। लोकेंद्र त्यागी ने कहा, आपने गैंगस्टर से नेता बनते हुए बहुत देखे होंगे। नेता से गैंगस्टर देखना हो तो श्रीकांत त्यागी को देखिए। इस बीच योगी सरकार के बहिष्कार की आवाज उठी। हालांकि, डैमेज कंट्रोल किया गया। मंच से कहा गया कि हमारी लड़ाई योगी सरकार से नहीं, सिर्फ सांसद महेश शर्मा से है। त्यागी समाज के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार ने कहा कि 2 सीटों से 283 तक पहुंचाने के लिए हमने बीजेपी को वोट दिया है। इसलिए आज हमारा कहने का पूरा हक है कि श्रीकांत त्यागी और उनके साथियों से सारी धाराएं हटाई जाएं। बिहार से आए राष्ट्रीय जन पार्टी के अध्यक्ष आशुतोष कुमार ने कहा कि जो लोग हमें बुलडोजर से डराना चाहते हैं, उन्हें कहना चाहता हूं कि हम बोफोर्स से भी डरने वाले नहीं है। हम लड़ने वाले लोग हैं। दिन के तीसरे पहर जिलाधिकारी सुहास एलवाई पंचायत स्थल पर पहुंचे। आयोजकों ने उन्हें 14 सूत्रीय ज्ञापन दिया और मांगें पूरी करने के लिए 15 दिनों का वक्त दिया। डीएम ने उन्हें भरोसा दिया कि वह इस ज्ञापन को शासन तक पहुंचाने का काम करेंगे। डीएम के जाने के बाद श्रीकांत की पतनी अन्नू त्यागी सुरक्षा घेरे के बीच पंचायत स्थल पर पहुंची और वहां आए लोगों का आभार व्यक्त किया। महापंचायत के दौरान सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे। इसकी कमान सहायक उपायुक्त रणविजय सिंह ने संभाल रखी थी। सुरक्षा के मद्देनजर पंचायत स्थल पर 40 सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन के जरिए सुरक्षा इंतजाम का जायजा लेने के लिए एक कंट्रोल रूम बनाया गया था। वहां पुलिस के आला अफसर उसकी निगरानी कर रहे थे। शासन के बड़े अधिकारी महापंचायत के बाबत फीडबैक लेते रहे। उल्लेखनीय है कि पांच अगस्त को ग्रैंड ओमेक्स सोसायटी में बच्चों के खेलने के स्थान पर पौधारोपण कर उस पर कब्जा करने का एक महिला ने विरोध किया था। उसके बाद तथा कथित भाजपा नेता श्रीकांत त्यागी ने महिला के साथ धक्का-मुक्की और गाली- गलौज की थी। इस मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रदेश सरकार हरकत में आई और मामले में कार्रवाई के लिए अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी और प्रदेश के डीजीपी को लगाया। दबाव बढ़ने के बाद श्रीकांत त्यागी भूमिगत हो गया। उसकी तलाश में पुलिस ने एक दर्जन टीमें बनाईं। आखिर, फरारी के पांचवें दिन उसे मेरठ से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पुलिस की इस कार्रवाई के विरोध में श्रीकांत त्यागी के आधा दर्जन समर्थकों ने ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी में जमकर उत्पात मचाया था। सोसायटी के रहवासियों की सूचना पर स्थानीय सांसद डॉ. महेश शर्मा सोसायटी पहुंच गए। उस दौरान मीडिया से बातचीत में डॉ. महेश शर्मा ने कहा, 'उन्हें यह कहते हुए शर्म आ रही है कि श्रीकांत त्यागी भाजपा से जुड़ा हुआ है।' यह भी कहा जा रहा है कि आवेश में सांसद के मुंह से गौतमबुद्ध नगर के कमिशनर आलोक सिंह के लिए अपशब्द निकल गया था। इस पूरे मामले ने यहीं से नया मोड़ ले लिया। यानि सियासत की नींव पड़ गई। यह भी कहा जा रहा है कि एक रणनीति के तहत इस मामले में राजनीति शुरू हुई। डॉ. महेश शर्मा के महिला के समर्थन में आने के बाद त्यागी समाज ने सांसद के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। त्यागी समाज के नेताओं का कहना है कि पुलिस ने सांसद की शह पर श्रीकांत त्यागी की पतनी और उसकी मामी का उत्पीड़न किया। पुलिस की जीप में मामी को हरिद्वार तक ले जाया गया। इसे त्यागी समाज अपमान मान रहा है। 21 अगस्त को हुई महापंचायत को डॉ. महेश पर दबाव बनाने के एक सियासी हथियार के तौर पर भी देखा जा रहा है। तूं डाल-डाल, मैं पात-पात' की कहावत चरितार्थ हुई। एक तरफ त्यागी समाज की महापंचायत हो रही थी। उसमें कई राज्यों से हजारों की संख्या में त्यागी समाज के लोग जमा थे। समाज के नेता सांसद पर जमकर अपनी भड़ास निकाल रहे थे। दूसरी तरफ सांसद के कैलाश अस्पताल की सभी शाखाओं को छावनी में तब्दील कर दिया गया। खुद डॉ. शर्मा की भी सुरक्षा बढ़ा दी गई। हालांकि पंचायत से अस्पताल की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं था। दरअसल, बीते दिनों त्यागी समाज के नेता मांगे राम त्यागी दने डॉ. महेश को टेलीफोनिक बातचीत में धमकी दी थी कि 'भुस भर देंगे।' यह ऑडियो भी जमकर वायरल हुआ था। कयास लगाए जा रहे हैं कि मांगे राम त्यागी की इस धमकी और महापंचायत में उनकी मौजूदगी की वजह से ही पुलिस ने ऐहतियातन कैलाश अस्पताल और डॉ. महेश शर्मा की सुरक्षा बढ़ाई थी।

फ्रांस से शुरू हुआ दुनिया के सिनेमा का सफर, समय के साथ आता गया सुधार

1902 में आज से करीब सवा सौ साल पहले जॉर्ज मेलिस ने एक अद्भुत फ़िल्म 'ए ट्रिप टू मून' बनाई। इसे ही पहली साइंस-फ़िक्शन फ़िल्म का दर्जा हासिल है और इसे सिनेमैटिक स्पेशल इफ़ेक्ट का मील का पत्थर कहा जाता है। फ्रांस में सिनेमा का जन्म हुआ। इस काल में वास्तव में जिसे अग्रणी मान सकते हैं वह जॉर्ज मेलिस था। उसने सच में सिनेमा को मनोरंजन की वस्तु बना कर प्रस्तुत किया। 1902 में आज से करीब सवा सौ साल पहले उसने एक अद्भुत फ़िल्म 'ए ट्रिप टू मून' बनाई। इसे ही पहली साइंस-फ़िक्शन फ़िल्म का दर्जा हासिल है और इसे सिनेमैटिक स्पेशल इफ़ेक्ट का मील का पत्थर कहा जाता है। जॉर्ज मेलिस ने ही सर्वप्रथम सिनेमा को कलात्मक अभिव्यक्ति के रूप में दर्शाया। उसने सिनेमा का जादू कायम किया। असल में फ़िल्म बनाने से पहले वह मंच पर जादू दिखाने का काम किया करता था। अपने जादुई करिश्मे से लोगों का मनोरंजन करता था, बाद में उसने पेरिस में फ़िल्म स्टूडियो खोला और सृजनात्मकता तथा अन्वेषण का अनूठा नमूना 'ए ट्रिप टू मून' बनाया। इसके अलावा उसने करीब 500 फ़िल्में और बनाईं। वह अपनी फ़िल्मों को रंगता भी था जो उस समय एक अजूबा था। फ़िल्म निर्देशक मार्टिन स्कॉरसेसि ने 'ह्यूगो' फ़िल्म बना कर सिनेमा के इसी पूर्वज को अपनी श्रद्धांजलि दी है। फ्रेंच सिनेमा के लिए 'नेपोलियन' बड़ी कामयाबी 1927 में छः घंटे की बायोपिक 'नेपोलियन' बना कर एबल गैन्स ने फ्रेंच सिनेमा को बहुत ऊँचाई प्रदान कर दी। केबिन ब्राउनलो की कृपा से यह आज उपलब्ध है। ब्राउनलो ने मरम्मत कर 330 मिनट का एक संस्करण तैयार किया है। मगर इससे एबल की इस मूक फ़िल्म की मात्र एक झलक मिलती है। आज भी एबल की इस फ़िल्म को मूक युग की एक महान फ़िल्म का दर्जा हासिल है। इसी काल में फ्रांस में 'ले मिजराबले' का निर्माण भी हुआ। इसे फ़ेसकोर्ट ने बनाया था। सिनेमा के सवाक होते ही फ्रांस में फ़िल्मों की बाढ़ आ गई। वहां प्रतिभा की कोई कमी न

थी। अब अन्य विधाओं के लोग सिनेमा की ओर मुड़ गए। नाटककार मार्सेल पैगनेल के यहां से 'फ़र्स्ट मारियुस', 'फ़ैनी', 'सीजर' जैसी फ़िल्में आईं। रेने क्लेयर ने 'अंडर द रूफ़्स ऑफ़ पेरिस' नाम से 1930 में एक म्युज़िकल फ़िल्म बनाई। इसी काल में 'यथार्थवाद' का विस्फ़ोट हुआ, जिसके प्रणेता वीगो, ज्याँ रेनुआँ, जुलीएन डुविवियर थे। वीगो ने हास्य-व्यंग्य की फ़िल्म 'ज़ीरो ड कन्डुइट' तथा काव्यात्मक 'ल'एटलान्टे' बनाईं और यह उनकी अंतिम फ़िल्म साबित हुई। इसके बाद टीबी के कारण मात्र 29 साल की उम्र में उनकी मृत्यु हो गई। फ़्रांस के ये वही ज्यां रेनुआं हैं जिनसे हमारे सत्यजित राय प्रभावित थे। जब सिनेमा मूक से वाचाल हुआ तो बहुत सारे फ़िल्म निर्देशक इस नई तकनीकि को संदेह की नजर से देख रहे थे और इसे अपनाने में हिचक रहे थे, लेकिन ज्यां रेनुआं जैसे निर्देशकों ने इस नई तकनीकि, नई चुनौती को स्वीकारा और आज हम जानते हैं कि इसका नतीजा कितना आश्चर्यजनक रहा। ज्यां रेनुआं से सिने दर्शक/प्रेमी परिचित हैं। उन्होंने 'ए डे इन द कंट्री', 'द क्राइम ऑफ़ मोस्युर लैंग', 'द रिवर' तथा 'रूल्स ऑफ़ द गेम' बनाईं और 'ला रिगल डु जेउ' को उनकी महान फ़िल्म कहा जाता है। द्वितीय विश्वयुद्ध ने यूरोप को तबाह कर दिया। सब उलट-पुलट गया। इसके बावजूद सृजन जारी रहा। फ़्रांस में ही 'न्यू वेव सिनेमा' का उद्भव हुआ। 1951 में फ़्रांस के रोबर्ट ब्रेससन ने 'डायरी ऑफ़ ए कंट्री प्रीस्ट' जैसी शानदार फ़िल्म बनाई। महान फ़िल्म निर्देशक फ़्राँस्वा त्रुफ़ो इसी समय सक्रिय थे। स्वयं को 'आंद्रे बाजाँ का दत्तक पुत्र' कहने वाले फ़्राँस्वा त्रुफ़ो ने 'ले मिस्तो', 'फ़ोर हंड्रेड ब्लोज', 'जूल्स एंड जिम', 'शूट द पियानो प्लेयर' तथा 'द सॉफ़्ट स्किन' जैसी शानदार फ़िल्में बनाईं। 1984 में बावन वर्ष की उम्र में ब्रेन ट्यूमर के कारण फ़्राँस्वा त्रूफ़ो की मृत्यु हो गई। उनकी पहली फ़िल्म मात्र 26 मिनट की थी, बाद में उन्होंने अपनी इस फ़िल्म 'ले मिस्तो' को संपादित कर 17 मिनट की कर दिया। यह सर्वकालिक फ़िल्म 5 नटखट बच्चों के कारनामे को दिखाती है। ये लड़के एक युवती का पीछा करते हैं जो अपने प्रेमी से मिलने जा रही है। निर्देशक बाल/युवा मन का चितेरा है, वह दिखाता है कि ये लड़के प्रेमी-प्रेमिका का मिलन देख नहीं पाते हैं। ईर्ष्या से भर कर उनकी राह में कई रुकावट डालते हैं। उन्होंने यह फ़िल्म श्वेत-श्याम निगेटिव पर बिना ध्वनि के बनाई। द सॉफ़्ट स्किन' फ़्राँस्वा त्रूफ़ो की चौथी फ़िल्म है। 'सिनेमा जीवन से अधिक आवश्यक है।' कहने वाले त्रुफ़ो की फ़िल्म 'द फ़ोर हंड्रेड ब्लोज' फ़िल्म इतिहास में विशिष्ट स्थान रखती है। सिनेमा अध्ययन इस फ़िल्म के अध्ययन के बिना पूरा नहीं हो सकता है। ज्याँ-लुक गोदार्द की 'ब्रेथलेस' इसी काल की फ़िल्म है। ये फ़िल्म निर्देशक डेढ़ दशक तक फ़िल्मी दुनिया पर छाए रहे। फ़िल्म निर्देशक फ़्रांस्वा त्रुफ़ो जिस आंद्रे बाज़ां को अपने पिता का सम्मान देते थे उसने इसी काल में फ़िल्म समीक्षाएं लिखनी प्रारंभ की थी। वे फ़िल्मों का विस्तार से वर्णन करते थे। इसी कारण मात्र तीस वर्ष की उम्र में वे उच्च कोटि के फ़िल्म समीक्षक स्वीकारे जा चुके थे। उन्होंने अपने दोस्तों के साथ मिल कर 1951 में 'काइए न्यू सिनेमा' (सिनेमा की डायरी) का प्रारंभ किया। फ़्रांस्वा त्रूफ़ो बाद में इस पत्रिका के संपादक बने। फ्रांस में ही 'निर्देशक का सिनेमा' सिद्धांत का प्रतिपादन हुआ। 'न्यू वेव' का दुनियाभर के सिनेमा पर असर लुई लेमियर ने भले ही कहा था कि सिनेमा का आविष्कार बिना किसी भविष्य का है, लेकिन इसका भविष्य उज्ज्वल साबित हुआ और आज सवा शताब्दी बाद भी परदे पर इसका जादू कायम है। फ्रांस के 'न्यू वेव' का असर भारत सहित पूरी दुनिया के सिनेमा पर पड़ा। एलैन रेसनाइस, एग्नेस वर्दा, लुई माले, एरिक रोह्मर इस समय के फ़्रांस के अन्य प्रसिद्ध फ़िल्म निर्देशक हैं। मजे की बात है कि इस समय फ़्रांस की महान फ़िल्में केवल फ़्रांसीसी निर्देशक ही नहीं बना रहे थे। 'द पैशन ऑफ़ जॉन ऑफ़ आर्क' का निर्देशन डेनिश फ़िल्म निर्देशक थियोडोर ड्रेयर ने किया। फ़्रांस के सिनेमा से आकर्षित हो कर तमाम अभिनेता, निर्माता, एडीटर फ़्रांस आए और इस उद्योग से जुड़े। पिछली सदी के अंतिम दशक में फ़िल्मों में यथार्थवाद (रियलिज़्म) पुनः लौटा है, जो अब तक कायम है। फ्रेंच निर्देशक जीन पियरे जुने ने 1991 में 'डेलीकैटस्सेन' तथा 2001 में 'अमिली' बनाई। इसी ने 'सिटी ऑफ़ द लॉस्ट चिल्ड्रेन', 'एलियन रिजरेक्शन' भी बनाई है। निःसंदेह जाक अडियार्ड आज फ़्रांस के सर्वाधिक प्रसिद्ध फ़िल्म निर्देशक हैं। उन्होंने 2005 में 'द बीट दैट माई हार्ट स्किप्ड' तथा 2010 में 'ए प्रोफ़ेट' बनाई। फ्रांस में ही सर्वाधिक प्रसिद्ध फ़िल्म समारोह कान फ़ेस्टिवल आयोजित होता है।

संक्षिप्त समाचार

फिर जब भारत ने 321 चीनी ऐप्स को गैरकानूनी घोषित किया

(आधुनिक समाचार सेवा)
उतराखण्ड। तब आत्मनिर्भर भारत ऐप इनोवेशन चैलेंज की घोषणा की गई, जिसमें भारतीय तकनीकी उद्यमियों और स्टार्ट-अप्स से इनके वैकल्पिक ऐप्स डिजाइन करने के लिए कहा गया। इसमें कई स्वदेशी ऐप्स ने हिस्सा लिया और 6,000 से ज्यादा आवेदन मिले, जिनमें कई स्वदेशी कंपनियों ने तकनीक के जरिये अमिट छाप छोड़ी और फिर वह वक्त भी आ गया जब कू ऐप जैसे स्वदेशी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने वैश्विक स्तर पर अपना दम दिखाया। एचएसबीसी ग्लोबल रिसर्च के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में भारत के इंटरनेट स्टार्ट-अप क्षेत्र में करीब 4.78 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया, जिसमें अकेले 2020 में लगभग 95 हजार करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। सोशल मीडिया कंपनियों के लिए भारत एक बहुत बड़ा बाजार है। भारत में 26.5 करोड़ लोग अंग्रेजी बोलते हैं और 93.1 करोड़ लोग स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं। केवल एक स्वदेशी डिजिटल मंच ही इस विविधता पर अच्छी पकड़ बना सकता है। यह सभी संस्कृतियों के लोगों को उनकी परंपराओं, भाषाओं और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक मंच प्रदान कर उभर सकता है। इससे देश भर की भाषाओं के साथ, लोगों के प्रतिनिधित्व, ज्ञान और सीखने में कई गुना बढ़ोतरी होगी, जो वाकई में सभी को एकजुट करने वाला प्रयास होगा।

गोपनीय पत्र लीक किया गया, तुरंत होनी चाहिए उच्चस्तरीय जांच - नंदकिशोर गुर्जर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा । प्रदेश के प्रमुख सचिव गृह अवनीश अवस्थी को लिखे गए गोपनीय पत्र का एकमात्र उद्देश्य गौतमबुद्धनगर में बढ़ रहे जातीय तनाव के मामले की जांच कराना था ताकि जातीय द्वेष बढ़ाने में विघटनकारी भूमिका निभाने वाले कुछ नेताओं तथा अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की जाए तथा इस मामले की एक उच्च स्तरीय जांच

कराई जाए। दुर्भाग्यवश उनका यह गोपनीय पत्र मीडिया में लीक हो गया। यह बात लोनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक व भाजपा नेताा नंदकिशोर गुर्जर ने कही है। सेक्टर-29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में नंदकिशोर गुर्जर ने स्पष्ट कहा कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव गृह (एसीएस होम) अवनीश अवस्थी को गोपनीय पत्र भेजा था। गोपनीय पत्र का उद्देश्य किसी नेता तथा किसी अधिकारी के खिलाफ मोर्चा खोलना नहीं बल्कि जनपद में बढ़ रही ऐसी घटनाओं को रोकना तथा साजिश को नाकाम करना था। उन्होंने कहा न तो मैं किसी नेता के पक्ष में हूं और न ही किसी अधिकारी के पक्ष या विपक्ष में है। हाल ही में जनपद में हुए चंद तबादलों पर श्री गुर्जर ने कहा कि यह बात तबादलों तक ही सीमित नहीं रहेगी बल्कि जिले में लूट खसोट करने वाले तथा जातीय तनाव को पैदा करने वाले अफसरों व नेताओं की गिरफ्तारी भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के जिम्मेदार अफसर से जो उन्हें फीडबैक मिला है उस फीडबैक के आधार पर उन्होंने यह जानकारी प्रदेश के प्रमुख सचिव गृह को भेजी थी ताकि जिले में चल रही साजिश को नाकाम किया जा सके तथा इसकी जांच करा कर इस पर कड़ी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में योगी सरकार है। इस सरकार में चाहे कितना भी बड़ा कोई क्यों न हो यदि अपराध करेगा तो उसको किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। वह चाहे कोई नेता हो या अफसर। इसी उद्देश्य के तहत उन्होंने यह गोपनीय पत्र लिखा था। यह पूछे जाने पर कि इस मामले में नोएडा में 3 विधायक हैं ऐसे में दूसरे जनपद से आपको यहां आकर इस मामले में पत्रकार वार्ता क्यों करनी पड़ी। नंदकिशोर गुर्जर ने जवाब दिया कि वे पहले देश के एक जिम्मेदार नागरिक भी हैं। जो उन्हें फीडबैक मिला उससे जनपद गौतमबुद्धनगर का माहौल खराब हो रहा था। इसका असर पड़ोसी जिलों तथा अन्य प्रदेशों में भी पड़ रहा था इसके मद्देनजर इसमें हस्तक्षेप करना उनका नैतिक कर्तव्य था। इसीलिए उन्होंने प्रदेश के शासन को इसकी जानकारी देना उचित समझा। उन्होंने कहा कि यह देखा जा रहा है कि जनपद गौतमबुद्धनगर में पिछले 2 वर्षों से जातिगत तनाव पैदा करके गृह युद्ध जैसी स्थिति बनाने की साजिश की जा रही है। यह न तो जनहित में है और न ही प्रदेश के हित में है।

27 अगस्त नोएडा आऐगे पूर्व सीएम अखिलेश यादव

पार्टी के वरिष्ठ नेता भरत यादव के पिता स्वर्गीय रघुवर प्रधान की प्रतिमा का करेंगे अनावरण

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा । समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता भरत यादव के पिता गढ़ी चौखंडी निवासी रघुवर प्रधान के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अधिकारियों को पार्टी की तरफ से पत्र भेजा गया है। अखिलेश यादव यहां एक निजी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। अखिलेश यादव यहां सेक्टर-121 स्थित नोएडा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में स्वर्गीय रघुवर प्रधान प्रधान जी की प्रतिमा का अनावरण

अखिलेश यादव 27 अगस्त को नोएडा आएंगे। वे यहां नोएडा इंटरनेशनल स्कूल में रघुवर प्रधान जी की प्रतिमा का अनावरण भी करेंग सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव शनिवार 27 अगस्त को गौतमबुद्ध नगर जिले में आ रहे हैं। इस बाबत लखनऊ से लेकर गौतमबुद्ध नगर जिले के प्रशासन को सूचना भेज दी गई है। सूचना के अनुसार अखिलेश यादव की सुरक्षा व्यवस्था के लिए जिले के पुलिस कमिशन्र सहित सभी आला करेंगे। कार्यक्रम का संयोजन सपा नेता भरत यादव करेंगे। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के जिले में आगमन को लेकर सपाइयों में खासा जोश दिखाई दे रहा है। तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव के स्वागत और उनके आगमन कार्यक्रम को सफल बनाने की तैयारियां तेज कर दी हैं। सियासी पंडितों की मानें तो जनपद में इन दिनों भाजपा में घमासान के बीच अखिलेश यादव का आना समाजवादी पार्टी के लिए काफी अहम माना जा रहा है।

छत्रपति शिवाजी अवार्ड से सम्मानित हुए-संजय मालिक

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा । संजय मालिक को मालिक म्यूजिक इवेंट के सी.एम. डी . जिन्हे हाल ही में छत्रपति शिवाजी अवार्ड से नवाज़ा गया है ये अवार्ड उन्हें को ये अवार्ड देते हुए क्योंकि उन्होने हमेशा ही नई प्रतिभाओ को मंच दिया है जो अब अपनी पहचान मुंबई में बना रहे है। इस अवॉर्ड लेते हुए संजय मालिक ने कहा कि मैं

संसद एवं फिल्म अभिनेता मनोज तिवारी व भारतीय जनता पार्टी के पूर्व-राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू एवं जय भगवान गोयल कर कमलो से मिला है इस अवसर पर मनोज तिवारी ने कहा की आज मुझको बहुत खुशी हो रही है संजय मालिक धन्यवाद करता हूं छत्रपति शिवाजी समाज कल्याण एवं शिक्षा प्रचार समिति व संस्था संस्थापक व वरिष्ठ भाजपा नेता जय भगवान गोयल मंदीप गोयल का जिन्होंने मुझे इस अवार्ड के काबिल समझा व मेरा चयन छत्रपति शिवाजी अवार्ड के लिए किया।

समाज सेवी प्रभात व्दुवेदी बिन्नू ने बढ़ाया सहयोग के लिए हाथ बिजली लगवाने का लिया संकल्प

(आधुनिक समाचार सेवा)
शहडोल। बरहाई में अगर एक माह में बिजली नहीं लगती तो होगा अनिश्चितकालीन हड़ताल जन अस्मिता यात्रा शहडोल ने आदिवासी परिवार को बिजली कीसमस्या से निजात दिलाने के लिए सौंपा ज्ञापन शहडोल व्यौहारी से दुर्गेश कुमार गुप्ता कि रिपोर्ट भारत देश के मध्य प्रदेशः में आदिवासियों की हालत अत्यंत गंभीर है भारतीय जनता पार्टी ने आदिवासी राष्ट्रपति तो बना कर आदिवासियों को छलने का कार्य किया जा रहा है देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी लाख दावे करे लेकिन आजादी के 75वा स्वतंत्रता दिवस मनाया जा रहा है लेकिन विकास की एक झलक शहडोल जिले के लोहारी विकासखंड के बुढ़वा क्षेत्र के ग्राम पंचायत मगरदहा अंतर्गत ग्राम बरहाई स्थिति है जहां आज तक विकास की कोई झलक देखने को नहीं मिला जहां आज तक बिजली नहीं पहुंची जबकि यहां लगभग बारह सौ कोल समाज के लोग निवासरत है इस गांव में आज न तो सड़क है,न स्कूल है ना पानी है, यहां के लोग को मूलभूत सुविधा

उपलब्ध नहीं है इन आदिवासियों को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने का बीड़ा उठाया है समाज सेवी जन जन चहेते प्रभात व्दुवेदी बिन्नू ने सभी आदिवासी समाज को लोगों को भरोसा दिलाया है कि आप लोगों को मूलभूत सुविधा दिलाने के लिए तन-मन-धन से सहयोग करने का प्रण लिया है और इस संबंध में सांसद महोदया एवं विधायक शरद जुगलाल कोल, कलेक्टर शहडोल तथा बरिष्ठ अधिकारियों को को अवगत कराया लेकिन आदिवासियों की समस्या का जब कोई हल नहीं निकला तो चाणक्य न्यूज़ चैनल परिवार से जुड़ कर आदिवासियों की समस्या को अवगत कराया गया तो हमारे संवाददाता ने ग्राउंड जीरो पर पहुंच कर आदिवासियों के हालात का जायजा लिया जो आदिवासियों से सुनिए इनकी जुबानी।

जिलाधिकारी ने किया जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण ढेरों अनियमितताएं सामने आने पर की नाराजगी व्यक्त

(आधुनिक समाचार सेवा)
झाँसी। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने जिला महिला चिकित्सालय का आकस्मिक निरीक्षण किया एवं मरीजों से वार्ता कर इलाज/जांच होने सम्बन्धी जानकारी ली एवं उनकी समस्यायें सुनी गई। जिला महिला अस्पताल के औचक निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री की प्रबल इच्छा है कि स्वास्थ्य सेवाएं बिल्कुल जमीनी स्तर तक पहुंचे, समाज के सबसे गरीब व्यक्ति का बेहतर से बेहतर इलाज हो, उसे इलाज के दौरान किसी भी समस्या का सामना ना करना पड़े। उन्होंने कहा कि आज औचक निरीक्षण का उद्देश्य यही है कि हर व्यक्ति को बेहतर सेवाएं मिलें। जिलाधिकारी द्वारा अपने औचक निरीक्षण में जिला चिकित्सालय के दवा वितरण केन्द्र का निरीक्षण करने पर पाया कि कुछ डॉक्टर द्वारा सादा पर्चे पर दवायें लिखी जा रही है, उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि दवायें हेतु निर्धारित पर्चे का ही प्रयोग किया जाए। भविष्य में यदि जांचोपरांत यही पुनरावृत्ति पाई जाती है तो सख्त कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने तीमारदारों से बात की तो पाया गया कि चिकित्सालय में बहुत अधिक संख्या में मरीज अल्ट्रासाउण्ड कराने आ रहे हैं। मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका ने अवगत कराया गया कि वर्तमान में चिकित्सालय में कोई स्थाई रेडियालोजिस्ट की तैनाती नहीं है।

जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि वे इस सम्बन्ध में अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा को पत्र प्रेषित करना सुनिश्चित करें ताकि पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर किया जा सके। अपने औचक निरीक्षण में जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने प्रसव केन्द्र का निरीक्षण किया गया। प्रसव केंद्र से संबंधित पूर्व में अनेकों शिकायतों को संज्ञान में लिया। निरीक्षण में सीएमएस महिला ने अवगत कराया कि प्रसव केन्द्र में 12 नर्से एवं 2 ईएमओ तैनात हैं। डीएम ने निर्देश दिए कि प्रसव केन्द्र में प्रतिदिन कम से कम 10 डिलेवरी अवश्य की जायें तथा डिलेवरी कराने आई महिलाओं को विशेष इमरजेन्सी की स्थिति को छोड़कर अन्य किसी भी दशा में वापस नहीं लौटाया जाये। यदि बहाना बनाते हुए मरीज को लौटाया जाता है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला महिला अस्पताल के निरीक्षण में जिलाधिकारी ने जे.जे.एस.के. के अन्तर्गत प्रसूता महिलाओं को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता असंतोषजनक पाए जाने, आलू की सब्जी बनाए जाने एवं जे.जे.एस.के. रसोईघर के बाहर मेन्यू चस्पा न होने पर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि सम्बन्धित फर्म का नोटिस जारी किया जाए एवं आज के भुगतान में कटौती की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मेन्यू निर्धारित करके उसे अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत करने के उपरान्त जे.जे.एस.के रसोईघर के बाहर अवश्य चस्पा किया जाए। जिलाधिकारी ने जिला महिला अस्पताल का औचक निरीक्षण के दौरान मरीजों से प्रसव केन्द्र में तैनात एक चिकित्साधिकारी द्वारा अच्छा व्यवहार न करने, पैसा लेने एवं समय से कार्यालय न आने तथा अन्य स्रोत से एक नर्स द्वारा डिलेवरी के लिए पैसे लेने की शिकायत प्राप्त हुई। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए गए कि रजिस्टर की जांच कर प्रियंका चौधरी की उपस्थिति की जांच करते हुए विगत एक सप्ताह डिलेवरी कराने आई महिलाओं एवं उनके तीमारदारों से पूंछतांछ/सम्पर्क कर पैसे लिए जाने से सम्बन्धित प्रकरण की जांच करने और गड़बड़ी पाए जाने पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर सुधाकर पांडेय, नगर मजिस्ट्रेट अंकुर श्रीवास्तव, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर एन के जैन, मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका डॉ सुमन एवं अन्य चिकित्सकगण उपस्थित रहे।

ब्रम्हचारी कुटी मे श्री कृष्ण जी की छठी मनाई गई

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा । सेक्टर 82 स्थित प्राचीन तपोभूमि ब्रम्हचारी कुटी में भगवान कृष्ण की छठी धूमधाम से मनाई गई। पंडित अभिषेक तिवारी द्वारा विधि विधान से भगवान कृष्ण का पूजन कराया गया इसके बाद मंत्रोच्चार के साथ हवन किया गया जिसमें तमाम देवी देवताओं को आहुतियां प्रदान की गई। हवन के उपरांत आरती की गई। भगवान कृष्ण की छठी पर कढ़ी चावल का भोग लगाया गया जिसे सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। इस अवसर पर राघवेंद्र दुबे ,पंडित मनोहर शास्त्री,दिवाकर पांडेय, अनमोल झा, चंद्रकांत दुबे, अशोक कुमार सहित तमाम भक्तजन मौजूद रहे।

गलगोटिया विश्वविद्यालय मे पांच दिवसीय स्मार्ट इण्डिया है काथान प्रतियोगिता

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा । गलगोटियाज विश्व विद्यालय ग्रेटर नॉएडा भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 5 दिवसीय स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन करने जा रहा है। जिसका उद्घाटन भारत सरकार के शिक्षा राज्य मंत्री डॉ0 सुभास सरकार, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो0 अनिल सहस्रबुद्धे, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के मुख्य नवाचार अधिकारी डॉ0 अभय जेरे, उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश सरकार की प्रमुख सचिव श्रीमती मोनिका एस0 गर्ग और विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति सुनील गलगोटिया, मुख्य कार्यकारी अधिकारी ध्रुव गलगोटिया एवं कुलपति प्रो0 डॉ0 प्रीति बजाज करेंगें। यह हैकाथॉन प्रतियोगिता आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर और आत्म निर्भर भारत अभियान के अंतर्गत शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की इनोवेशन सैल के संरक्षण में आयोजित की जाएगी। भारत सरकार के द्वारा स्मार्ट इंडिया हैकथॉन को 2017 में दोनों विधाओं हार्डवेयर और सॉफ्टवेर के रूप में शुरू किया गया था। स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2022 प्रतियोगिता के इस पाँचवे हार्डवेयर संस्करण को गलगोटियाज विश्वविद्यालय नोडल सेंटर के रूप में आयोजित करेगा। जिसमें आंध्रा- प्रदेश, उड़ीसा, केरला, राजस्थान,

तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना इन सभी राज्यों से कुल 22 टीमों के 140 प्रतिभागी भाग लेंगें। ये सभी छात्र अगले पांच दिनों तक शिक्षा मंत्रालय, इलैक्ट्रोनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, जल शक्ति मंत्रालय (भारत सरकार) के द्वारा निर्धारित स्मार्ट एजुकेशन, स्मार्ट ऑटोमेशन, कृषि खाद्य तकनिकी और ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कार्य करेंगें। यह स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (एसआईएच) शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सैल के द्वारा छात्रों को सरकार, मंत्रालयों, विभागों, उद्योगों और अन्य संगठनों की गंभीर समस्याओं को हल करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी पहल है। स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन दुनिया के सबसे बड़े ओपन इनोवेशन मॉडल के रूप में प्रसिद्ध है। और यह छात्रों के बीच उत्पाद नवाचार और समस्या-समाधान की संस्कृति को विकसित करता है। इस वर्ष स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन दोनो विधाओं सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर रूप से पेश किया गया है। स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2022 हार्डवेयर ग्रैंड फिनाले 25 अगस्त से 29 अगस्त 2022 तक निर्धारित किया गया है। जिसमें 2033 टीमों के 15000 से अधिक छात्र राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेकर मंत्रालयों, विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों और निजी सहित कुल 62 संगठनों से प्राप्त 476 समस्याओं के समाधान पर कार्य करेंगें। सभी पांचों प्रॉब्लम स्टेटमेंट की विजेता टीमों को 1 लाख रूपये का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने पर हम सभी आजादी का अमृत महोत्सवठ मना रहे हैं यह एक संयोग ही है कि इस प्रतियोगिता के दौरान भी विश्वविद्यालय के 75 शिक्षक स्वयं सेवक और 75 छात्र स्वयं सेवक दिन रात अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे।

पुलिस कमिश्नरेट गौतम बुद्ध नगर को मिली बड़ी सौगात

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा । उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ से वर्चुअल माध्यम से बटन दबाकर पुलिस विभाग के 260 करोड़ की लागत से बने 144 आवासीय एवं अनावासीय भवनों का लोकार्पण किया,जिसमें पुलिस कमिशन्रेट गौतमबुद्धनगर को आज बड़ी सौगात प्रदान करते हुये पुलिस लाइन गौतम बुद्ध नगर में 7 करोड़ 59 लाख की लागत से तैयार हुए 200 पुलिसकमिन्यों के आवासीय भवन मैस एवं शौचालय बैरक का लखनऊ से वर्चुअल लोकार्पण किया गया। स्थानीय स्तर पर पुलिस कमिशनर आलोक सिंह के नेतृत्व में इस कार्यक्रम को भव्य रूप में आयोजित करते हुए रिजर्व पुलिस लाईन, कमिशन्रेट गौतमबुद्धनगर परिसर में 200 पुलिस कर्मियों की आवासीय, मैस, शौचालय एवं अत्याधुनिक मूलभूत सुविधाओं से परिपूर्ण निर्मित बहुमंजिला बैरक का लोकार्पण माननीय विधायक, दादरी तेजपाल नागर के कर कमलों द्वारा किया गया। इस शुभ अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार योगी आदित्यनाथ द्वारा वर्चुअल वीडियों कान्फ्रेसिंग के माध्यम से उपस्थित माननीय विधायक दादरी, अन्य विशिष्टगणों एवं उच्चाधिकारियों को बधाई दी गयी। बैरक के लोकार्पण के समय पुलिस कमिशनर आलोक सिंह, ज्वाइंट पुलिस कमिशनर लव कुमार, अपर पुलिस आयुक्त, मुख्यालय, श्रीमती भारती सिंह, पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय रामबदन सिंह, पुलिस उपायुक्त, नोएडा हरीश चन्दर, पुलिस उपायुक्त से0नो0 राजेश एस0, पुलिस उपायुक्त, महिला सुरक्षा, डॉ0 मीनाक्षी कात्यायन, पुलिस उपायुक्त, यातायात, गणेश प्रसाद शाह, अपर पुलिस उपायुक्त, नोएडा, आशुतोष द्विवेदी, अपर पुलिस उपायुक्त, सै0नोएडा/लाईन्स सुश्री अंकिता शर्मा, अपर पुलिस उपायुक्त, कुंवर रणविजय सिंह, अपर पुलिस उपायुक्त, विशाल पाण्डेय एवं तीनो जोन के सहायक पुलिस आयुक्त, अन्य अधिकारी/कर्म0गण उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित आगन्तुको/अतिथिगणों के सूक्ष्म जलपान के उपरान्त अपर पुलिस उपायुक्त, लाईन्स द्वारा अभिन्नदन करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को 25 अगस्त से 31 अगस्त तक होगा खाद्यान्न का वितरण

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा । जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में जिला पूर्ति अधिकारी चमन शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद के अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को 25 अगस्त 31 अगस्त 2022 के मध्य जून 2022 के सापेक्ष प्रति कार्ड 1 किलो ग्राम आयोडाइज्ड नमक, 1 लीटर रिफाइंड ऑयल तथा 1 किलो साबुत चने का निशुल्क वितरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उक्त अवधि में

जुलाई 2022 के सापेक्ष एनएफएसए खाद्यान्न गेहूं एवं चावल का वितरण निर्धारित मूल्य पर किया जाएगा एवं अंत्योदय कार्ड धारकों को प्रति कार्ड 2 प्रति किलोग्राम दर से 14 किलोग्राम गेहूं एवं 3 प्रति किलोग्राम की दर से 21 किलोग्राम चावल उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को प्रति यूनिट 2 प्रति किलोग्राम की दर से 2 किलोग्राम गेहूं एवं 3 प्रति किलोग्राम की दर से 3 किलोग्राम चावल उपलब्ध कराया जाएगा।

धीरे- धीरे ठीक हो रहे हैं राजू श्रीवास्तव

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। जानें कॉमेडियन की हेल्थ से जुड़ा हर अपडेटमशहूर कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव बीते कई दिनों से अस्पताल में भर्ती हैं। 10 अगस्त को वर्कआउट करते समय दिल का दौरा के बाद से ही वह हॉस्पिटल में बेहोश है। उनका जल्द ही वेंटिलेटर से हटाया जा रहा है। हालांकि, बाद में राजू श्रीवास्तव के भाई ने प्रतिक्रिया देते हुए उन खबरों को महज अफवाह बताते हुए खारिज कर दिया था। राजू श्रीवास्तव के मैनेजर ने आगे यह भी बताया कि एम्स में डॉक्टर भी उनकी हालत पर लगातार नजर

इलाज दिल्ली के एम्समें जारी है। 15 दिनों से अपने जीवन के लिए संघर्ष कर राजू अब भी वेंटिलेटर पर हैं। ऐसे में उनके फैंस और चाहने वाले लगातार उनके जल्द ठीक होने की प्रार्थना कर रहे हैं। इस लाइव अपडेट में जानिए कॉमेडियन की हेल्थ से जुड़ी हर छोटी-बड़ी खबर के बारे में- बीते दिन कॉमेडियन की सेहत से जुड़ी जानकारी सामने आई थी कि उन्हें बनाए हुए हैं। हालांकि, वह अभी भी वेंटिलेटर पर ही हैं और उन्हें होश नहीं आया है। राजू श्रीवास्तव की सेहत के बारे में उनका परिवार और उनके करीबी लोग लगातार फैंस के साथ अपडेट्स शेयर कर रहे है। इसी बीच अब कॉमेडियन के मैनेजर ने राजू की सेहत के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कॉमेडियन की हालात अभी स्थिर है और वह धीरे-धीरे ठीक हो रहे हैं।

करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं भोजपुरी अभिनेता, निरहुआ-खेसारी और पवन सिंह में कौन हैं ज्यादा अमीर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली।दर्शकों के बीच बॉलीबुड कलाकारों की चर्चा हमेशा रहती है। जहां फैंस अभिनेत्रियों की खूबसूरती पर मरते हैं तो वहीं अभिनेता का कूल और धांसू अंदाज उन्हें दीवाना बना देता है। लेकिन अब पॉपुलैरिटी के मामले में भोजपुरी सिनेमा के अभिनेता भी किसी से कम नहीं है। खेसारी लाल यादव, पवन सिंह से लेकर दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ तक इनकी फिल्में भोजपुरी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा देती हैं। लेकिन इन फिल्मों के लिए यह अभिनेता मोटी रकम चार्ज करते हैं और उनकी कुल संपत्ति भी करोड़ों में है। आज हम भोजपुरी इंडस्ट्री के तीन अभिनेताओं की कमाई के बारे में बताने जा रहे हैं, जिससे आपको भी पता चलेगा कि इनमें कौन सा अभिनेता सबसे ज्यादा अमीर है। पवन सिंह भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार हैं, जिन्हें इस इंडस्ट्री का सलमान खान माना जाता है। अभिनेता की फिल्मों का फैंस को इंतजार रहता है और इन फिल्मों

के लिए वह मोटी रकम चार्ज करते हैं। पवन सिंह एक फिल्म के लिए 40-45 लाख रुपये तक चार्ज करते हैं और वह 30-37 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी के मालिक हैं। खेसारी लाल यादव भोजपुरी सिनेमा के टॉप अभिनेताओं में से एक हैं और उन्हें इस इंडस्ट्री का शत्रुघन सिन्हा कहा जाता है। खेसारी लाल यादव ने अपने करियर की शुरुआत साल 2012 में फिल्म 'साजन चले ससुराल' से की थी और आज के समय में वह इस इंडस्ट्री के सबसे महंगे अभिनेताओं में शामिल हैं। वह एक फिल्म के करीब 40 लाख रुपये फीस लेते हैं। दावा किया जाता है कि वह 2 से 3 मिलियन डॉलर यानी 12 से 15 करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं। दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ भोजपुरी सिनेमा के शानदार अभिनेता होने के साथ-साथ राजनेता भी हैं। उन्होंने लोकसभा उपचुनाव में आजमगढ़ सीट से जीत हासिल की। इस बात में कोई शक नहीं है कि निरहुआ की फिल्मों का फैंस को इंतजार रहता है लेकिन उनकी म्यूजिक वीडियोज भी इंटरनेट पर धमाल मचा देती हैं। निरहुआ एक फिल्म के लिए करीब 35 लाख तक फीस लेते हैं। निरहुआ करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं। उनकी नेटवर्थ की बात करें तो वो करीबन 6 से 10 करोड़ के बीच है।

बुधवार को बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरा बॉलीवुड

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली।साउथ फिल्मों ने लगाई लंबी छलांगबॉक्स ऑफिस पर बीते कई दिनों से साउथ फिल्मों का बोलबाला है। सिनेमाघरों में रिलीज हो रही कई टॉलीवुड फिल्में लगातार कमाई की है और अब इस फिल्म का टोटल कलेक्शन 58.11 करोड़ हो गया है। रक्षा बंधन के दिन रिलीज हुई अक्षय कुमार की फिल्म रक्षा बंधन से सभी को काफी उम्मीदें थीं। इस अभिनेता की दो फिल्में की है। अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी साइकोलॉजिकल थ्रिलर ड्रामा 'दोबारा' भी बॉक्स ऑफिस पर फुस्स होती दिख रही है। पहले दिन से ही खराब प्रदर्शन कर रही इस की कमाई दिन- प्रतिदिन गिरती

दर्शकों का मनोरंजन कर रही है। वहीं, दूसरी तरफ हिंदी फिल्मों का हाल बॉक्स ऑफिस पर बेहाल हो रखा है। आमिर, अक्षय और तापसी जैसे बॉलीवुड स्टार दर्शकों पर अपना असर छोड़ने में नाकाम रहे हैं। ऐसे में अब सभी की निगाहे आज यानी गुरुवार को रिलीज होने वाली पैन इंडिया फिल्म लाइगर पर टिकी हुई है। इसी बीच बुधवार को हुई फिल्मों की कमाई के शुरुआती आंकड़े सामने आ चुके हैं। तो आइए जानते हैं बीते दिन किसने किया कितना कारोबार- बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा बॉक्स की रफ्तार ऑफिस पर शुरुआत से ही धीमी रही। हालांकि, फिल्म अपने दूसरे वीकएंड तक 1 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर रही थी। लेकिन रविवार के बाद से ही इसके कारोबार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं, बात करें बुधवार यानी 14वें दिन की कमाई की तो शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने बीते दिन महज 60 लाख रुपये की पहले ही बॉक्स ऑफिस पर हुरी तरह फ्लॉप हो चुकी हैं। ऐसे में अब उनकी एक और फिल्म फ्लॉप होने की कगार पर है। 70 करोड़ के लागत से बनी इस फिल्म के कारोबार की रफ्तार देख यह कहना मुश्किल है कि फिल्म अपनी लागत निकाल पाएगी या नहीं। इसी बीच फिल्म के 14वें दिन हुई कमाई के शुरुआती आंकड़े सामने आ चुके हैं। फिल्म ने बुधवार को मजह 60 लाख रुपये की कमाई की है। साउथ अभिनेता निखिल सिद्धार्थ स्टारर फिल्म कार्तिकेय 2 पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। दमदार कहानी और बेहतरीन अभिनय से सजी इस फिल्म को दर्शकों की तरफ से भी काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। कम बजट में बन इस फिल्म हिंदी सिनेमा के दिग्गज कलाकारों की फिल्मों को अब पीछे छोड़ दिया है। वहीं, अगर बात करें 12वें दिन हुए फिल्म के कारोबार की तो शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने बुधवार को 2.65 करोड़ की कमाई जा रही है। इसी बीच अब बुधवार को हुई फिल्म की कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं। शुरुआती आंकड़ों की मानें तो फिल्म ने पनी रिलीज के छठे दिन सिर्फ 45 लाख रुपये ही कमाए हैं। इसके साथ ही फिल्म की अब तक की कमाई 4.40 करोड़ रुपये हो गई है। 18 अगस्त को रिलीज हुई इस फिल्म के आगे साउथ और बॉलीवुड की फिल्में भी नहीं टिक पा रही हैं। मिथरन जवाहर की इस फिल्म को दर्शकों का बेशुमार प्यार मिल रहा है। दर्शकों के इसी प्यार की वजह से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। इसी बीच अब बुधवार को हुए फिल्म के कारोबार की शुरुआती आंकड़े सामने आ गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक साउथ सुपर स्टार धनुष की फिल्म ने बुधवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए सातवें दिन तीन करोड़ का कलेक्शन किया है। वहीं,अब फिल्म की कुल कमाई 48.20 करोड़ रुपये हो गई है।

ये फिल्म बनी थी राज कपूर और राजीव में कलह की वजह

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। पिता के निधन के बाद भी नहीं देखा था चेहराकपूर खानदान के चिराग ऋषि कपूर और रणधीर कपूर के छोटे भाई राजीव कपूर की आज बर्थ एनिवर्सरी है। साल 1983 में रिलीज हुई फिल्म एक जान हैं हम से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले अभिनेता को 1985 में 'राम तेरी गंगा मैली' से पहचान मिली थी। बहुत कम लोग ही यह बात जानते हैं कि राजीव कपूर की अपने पिता राज कपूर से नहीं बनती थी। कहा जाता

है कि फिल्म राम तेरी गंगा मैली की वजह से ही पिता और पुत्र में काफी अनबन थी। हर साल 25 अगस्त को राजीव कपूर का जन्मदिन होता है। तो चलिए इस खास मौके पर उनसे जुड़ी कुछ बातें जानते हैं। राजीव बहुत ही खुशमिजाज इंसान थे। उनका फिल्मी करियर अपने भाइयों और पिता की तरह ज्यादा कामयाब तो नहीं रहा, लेकिन फिर भी किन्हीं न किन्ही वजहों से वह मीडिया की सुखियां बटोर ही लेते थे। साल 1985 में राज कपूर ने फिल्म 'राम तेरी गंगा मैली' बनाई थी। फिल्म सुपरहिट साबित हुई लेकिन इससे राजीव कपूर को कोई फायदा नहीं मिला। यह फिल्म केवल राज कपूर के डायरेक्शन और इसकी हिरोइन मंदाकिनी के लिए जानी जाती है। फिल्म में मंदाकिनी का रोल इतना मजबूत था कि राजीव फिल्म में खो से गए। राजीव कपूर इसके लिए अपने पिता राज कपूर को दोषी मानते थे। राजीव चाहते थे राम तेरी गंगा मैली के बाद राज उनके लिए एक और फिल्म बनाएं और उस फिल्म में उन्हें मुख्य किरदार के तौर पर इस तरीके से पेश किया जाए कि राजीव को भी स्टार होने का फायदा मिले, जिस तरीके से मंदाकिनी को मिला था। लेकिन राज कपूर ने इस तरीके की कोई भी फिल्म बनाने से इंकार कर दिया था। 'राम तेरी गंगा मैली' के हिट होने से मंदाकिनी तो रातोंरात स्टार बन गईं लेकिन राजीव कपूर को को इसका कोई फायदा नहीं हुआ। यही वजह पिता-पुत्र में अनबन का कारण बनी। राजीव को राज कपूर ने हमेशा एक असिस्टेंटट के तौर पर रखा। वह उनसे यूनिट का सारा काम कराते थे, जो कि एक असिस्टेंट और स्पॉटबॉय करता है। 'राम तेरी गंगा मैली' के बाद राजीव कपूर 'लवर ब्वॉय', 'अंगारे', 'जलजला', 'शुक्रिया', 'हम तो चले परदेस' जैसी फिल्मों में दिखे तो पर उनकी फिल्में चली नहीं। पिता और पुत्र में अनबन इतनी तगड़ी थी कि जब राज कपूर का निधन हुआ तो राजीव कपूर उनके अंतिम संस्कार तक में नहीं गए थे।

वकील के किरदार में विनीत की दमदार झलक, बोले- सामाजिक संदेश वाली फिल्में शुरू से पहली पसंद

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। मुक्काबाज,बॉम्बे टॉकिज, अगली, गोल्ड, सांड की आंख, गुंजन सक्सेना समेत कई फिल्मों में काम कर चुके विनीत कुमार सिंह के जन्मदिन पर उनकी नई फिल्म 'सिया' का ट्रेलर लांच हुआ। दृश्यम फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के निर्देशक मनीष तरह की गैंग रैप की घटनाओं के बारे में जब किसी अखबार में पढ़ता हूं, तो बहुत दुखी होता है। कुछ लोगों के लिए यह एक खबर बनकर रह जाती है, लेकिन इस खबर के पीछे उस परिवार की अपनी एक कहानी होती है, एक दर्द होता है। जिसे कोई जानने की कोशिश नही करता है।' आए दिन रेप की घटनाएं

मुंद्रा हैं। विनीत कुमार सिंह के साथ इस फिल्म में पूजा पांडे लीड रोल में हैं। विनीत कुमार सिंह कहते है, 'कोविड की वजह से पिछले दो साल से अपना जन्मदिन घर पर ही मनाता रहा हूं, लेकिन आज मीडिया के साथ जन्मदिन मना कर बहुत ही खुशी महसूस कर रहा हूं।' 'सिया' में विनीत कुमार वकील की भूमिका निभा रहे है, जो रेप पीडित लड़की को न्याय दिलाता है। विनीत कुमार सिंह कहते है, 'इस घटित होती रहती है। इस मुद्दे पर ज्यादातर लोग बदनामी के डर से चुप रहते है। अगर कोई इसकी शिकायत करता भी है, लोग उसकी मदद नहीं करते है। विनीत कुमार सिंह कहते है, 'मेरी भी दो बहने है, जब उसे कोई कुछ कहता था, तो मुझे बहुत गुस्सा आता था। इस लिए मैं समझ सकता हूं, रेप पीडित परिवार वालो पर क्या बीतती हैं। मेरी कोशिश रहती है कि मैं हमेशा ऐसी फिल्म करूं, जिससे समाज को कुछ ना कुछ संदेश जा सके।' विनीत कुमार सिंह कहते है, 'मैं अपनी इस फिल्म को अपने आखिरी फैन तक लेकर जाऊंगा। मैं चाहता हूं कि इस फिल्म को अधिक से अधिक लोग देखें, ताकि रेप जैसी घटनाओं के खिलाफ आवाज उठा सके। ऐसी घटनाओं को अगर लोग खुद से जोड़कर देखेंगे तो समझ में आएगा कि ऐसे परिवार के ऊपर क्या गुजरती है।'

विनीत कुमार सिंह का मानना है कि अभी भी लोग सिनेमा से नही जुड़ पा रहे हैं। वह कहते है, 'हिंदी सिनेमा की शुरुआत 'आलम आरा' , 'हरिश्चंद' से लेकर अभी तक देश की कुल आबादी के सिर्फ चार प्रतिशत लोग ही थिएटर में जाकर सिनेमा देखते हैं। लेकिन अब धीरे धीरे लोगों का सिनेमा के प्रति झुकाव हो रहा है और अच्छा सिनेमा देख रहे हैं। दृश्यम फिल्म्स ने 'आंखो देखी' और 'न्यूटन' जैसी कई फिल्में भी बनाई है।' पिछले दिनों अनुराग कश्यप ने एक इवेंट के दौरान कहा था कि अंग्रेजी बोलने वाले अगर हिंदी सिनेमा बनाएंगे तो हिंदी सिनेमा का यही हाल होगा। उन्होंने यह बात मौजूदा सिनेमा की स्थिति को लेकर कही थी। अनुराग कश्यप को अपना गुरु मानने वाले विनीत कुमार सिंह हिंदी सिनेमा में अंग्रेजी के बढ़ते प्रभाव को लेकर कहते है कि, 'इस बारे में अगर हम उचित या अनुचित की बात करेंगे तो लगेगा कि हम लोगों को सिखा रहे है। बहुत सारे लोग अंग्रेजी में काम कर रहे हैं और हिंदी में फिल्में बना रहे है।

कियारा आडवाणी ने सिद्धार्थ मल्होत्रा संग माना खास रिश्ता

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। करण के सवाल पर कही ये बातकरण जौहर का चैट शो 'कॉफी विद करण' का सीजन 7 चर्चाओं में है और अब इस शो का नया एपिसोड भी डिजनी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो गया है। इस हफ्ते करण जौहर के शो में कियारा आडवाणी और शाहिद कपूर नजर आए। इस दौरान करण जौहर ने बेशक दोनों से ढेर सारी बातें कीं। लेकिन अचानक ही शो के होस्ट ने कियारा से बात करते हुए उनकी लव लाइफ छेड़ दी। करण ने कियारा से उनके और सिद्धार्थ मल्होत्रा के रिश्ते पर बात की। इस दौरान कियारा ने भी इशारों ही इशारों में कह दिया कि वह दोनों एक-दूसरे के लिए काफी खास हैं। दरअसल, शो की शुरुआत में करण जौहर, कियारा आडवाणी और

शाहिद कपूर से उनकी फिल्म 'कबीर सिंह' पर बात करते दिखे। इस दौरान करण, कियारा से अचानक ही सवाल करते हैं कि क्या आपका और सिद्धार्थ का रिश्ता भी 'कबीर सिंह' फिल्म में दिखे कपल की तरह है? इस सवाल पर पहले तो कियारा की बोलती बंद हो गई और फिर वह बोलती हैं कि हम फिर से 'कबीर सिंह' पर आ जाते हैं। आप बहुत आसानी से बात को दूसरे एंगल में लेकर जा रहे हैं। कियारा की इस बात पर करण जौहर अभिनेत्री से पूछते हैं क्या आप सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ अपने रिश्ते को नकार रही हैं? करण के इसी सवाल पर कियारा ने अपना और सिद्धार्थ का रिश्ता इशारों-इशारों में कंफर्म कर दिया। अभिनेत्री ने कहा कि मैं सिद्धार्थ के साथ अपने रिश्ते नहीं नकार रही हूं।

सिंधी परिवार में जन्मी रोमा असरानी ऐसे बनीं साउथ की हिट एक्ट्रेस

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। विज्ञापन से की थी शुरुआतदक्षिण भारत की खूबसूरत अभिनेत्री रोमा असरानी 25 अगस्त को अपना जन्मदिन सेलिब्रेट करती अभिनय के लिए जानी जाती हैं। यहां तक कि उन्हें फिल्म फेयर अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है। तो चलिए जानते हैं कि सिंधी परिवार में जन्मी रोमा कैसे बनीं साउथ की

हैं। एक्ट्रेस ने ज्यादातर मलयालम सिनेमा में काम किया है और घरेलू सिनेमा में वह एक जाना-माना नाम हैं। एक्ट्रेस ने अपनी शुरुआत विज्ञापन से की थी और बाद में उन्होंने फिल्मों में डेब्यू किया। रोमा असरानी मलयालम में नोटबुक और चॉकलेट जैसी फिल्मों में अपने एक्ट्रेस। 1984 में रोमा असरानी का जन्म तमिलनाडु के त्रिची जिले में हुआ था। हालांकि जानकारी के मुताबिक वह सिंधी परिवार से ताल्लुक रखती हैं और उनके माता-पिता मूल रूप से दिल्ली के रहने वाले हैं, लेकिन बाद में वह चेन्नई शिफ्ट हो गए और इस तरह से रोमा वहां के रहन-सहन में बड़ी हुईं। रोमा के पिता का नाम मुरलीधर असरानी है, जिनकी चेन्नई में गहनों की दुकान है। रोमा असरानी ने टीनएज उम्र से ही बतौर मॉडल करियर की शुरुआत कर दी थी, इस दौरान वह कई विज्ञापनों में नजर आईं और अपने काम से निर्माता निर्देशकों का ध्यान आकर्षित करने में सफल रहीं। इसके बाद साल 2005 में तेलुगू फिल्म मिस्टर एर्राबाबू के लिए उन्हें साइन किया गया, इसी के अगले साल वह तमिल फिल्म 'कधले एन कधले' में नजर आईं। वहीं मलयालम सिनेमा में एक्ट्रेस ने फिल्म नोटबुक से अपना डेब्यू किया। ये फिल्म जबरदस्त हिट साबित हुई और उन्होंने दर्शकों से लेकर समीक्षकों के बीच भी अपनी पहचान बना ली। एक्ट्रेस ने नोटबुक के बाद मलयालम फिल्म साल 2007 चॉकलेट में काम किया, जहां से वह पहचानी जाने लगीं। एक्ट्रेस ने अब तक ट्रैफिक,ग्रैंडमास्टर और बॉम्ब 12 मार्च जैसी बेहतरीन फिल्मों के अलावा अब तक तकरीबन 20 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। अपनी मलयालम डेब्यू फिल्म नोटबुक के लिए एक्ट्रेस को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का पहला फिल्म फेयर अवार्ड भी मिला।

'लाल सिंह चड्ढा' ने बंद कराई 'मुगल', जानिए ये 10 मेगा बजट फिल्में क्यों और कैसे अटकीं

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। जिस तरह से हिंदी सिनेमा का बुरा हाल है, अब कोई निर्माता ऐसे किसी स्टार पर दांव नहीं लगाना चाह रहा है जिस पर फ्लॉप का ठप्पा लग चुका हो। बड़े से बड़ा सितारा भी अब बॉक्स के चलते पहले से घोषित हो चुकी तमाम फिल्में बंद हो रही हैं या अनिश्चितकाल के लिए उनकी शूटिंग आगे खिसक रही है, आइए आपको बताते हैं ऐसी ही 10 फिल्मों के बारे में.. कभी हिंदी फिल्मों में हीरो बनने आए और फिर बाद में देश

ऑफिस पर कामयाबी की गारंटी नहीं रह गया। इस साल अक्षय कुमार की अब तक एक भी फिल्म नहीं हिट हो सकी है। रणवीर सिंह और रणबीर कपूर के सितारे भी गर्दिश में हैं। और, अब आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' ने हिंदी फिल्म जगत की मुसीबतें और बढ़ा दी हैं। लगातार फ्लॉप हो रही फिल्मों की सबसे बड़ी फिल्म और म्यूजिक कंपनी स्थापित करने वाले गुलशन कुमार की बायोपिक 'मुगल' अनिश्चितकाल के लिए टल गई है। फिल्म की पटकथा को लेकर इसके निर्देशक और टी सीरीज के बीच चलती रही अनबन के बीच फिल्म में गुलशन कुमार का किरदार करने जा रहे आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' की रिलीज ने फिल्म पर पूर्ण विराम लगा दिया है। आमिर खान की इस पिछली फिल्म को भारत में रिलीज के समय से ही काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है और इस बीच फिल्म 'मुगल' के निर्देशक सुभाष कपूर ने अपनी अगली फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' शुरू करने का मन बना लिया है। करण जौहर ने हाल ही में टाइगर श्रॉफ को लेकर फिल्म 'स्क्रू ढीला' की घोषणा की थी। फिल्म का निर्देशन 'धड़क' फेम निर्देशक शशांक खेतान करने जा रहे थे लेकिन अब ये फिल्म अब ठंडे बस्ते में चली गई है। टाइगर श्रॉफ की पिछली रिलीज फिल्म 'हीरोपंती 2' के बॉक्स ऑफिस के परिणाम को देखते हुए माना जा रहा है कि 'स्क्रू ढीला' का भविष्य भी खतरे में पड़ सकता है। धर्मा प्रोडक्शन्स भले कहे कि टाइगर की ये फिल्म बंद नहीं हुई है और अगले साल टाइगर के साथ दो फिल्में करने का करण जौहर का इरादा है लेकिन फिलहाल के लिए फिल्म 'स्क्रू ढीला' का भविष्य अधर में है। 'स्क्रू ढीला' से पहले करण जौहर दो फिल्में 'तख्त' और 'शुद्धि' बनाने की घोषणा करके उन्हें स्थगित कर चुके हैं। 'तख्त' पीरियड ड्रामा फिल्म थी, जिसमें रणवीर सिंह, आलिया भट्ट, करीना कपूर, विक्की कौशल, जाह्नवी कपूर, भूमि पेडनेकर और अनिल कपूर को फाइनल किया गया था। इस फिल्म की शूटिंग साल 2020 में ही शुरू होनी थी, लेकिन कोरोना महामारी के चलते फिल्म की शूटिंग शुरू नहीं हो पाई थी। करीना कपूर और ऋतिक रोशन को लेकर करण जौहर ने इससे पहले फिल्म 'शुद्धि' की घोषणा की थी। जब ऋतिक और करीना के साथ प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ा तो करण जौहर ने इसे वरुण धवन और आलिया भट्ट के साथ बनने का फैसला किया लेकिन आज तक यह फिल्म भी शुरू नहीं हो पाई। संजय लीला भंसाली फिल्म 'इंशाअल्लाह' सलमान खान और आलिया भट्ट को लेकर बनाना चाह रहे थे, लेकिन शूटिंग शुरू होने से पहले सलमान खान और संजय लीला भंसाली के बीच वैचारिक मतभेद हो गया और फिल्म नहीं शुरू हो पाई। बाद में इस फिल्म को लेकर संजय लीला भंसाली ने ऋतिक रोशन से भी संपर्क किया, लेकिन उनके साथ भी बात नहीं जमी। संजय लीला भंसाली फिल्म की हीरोइन आलिया भट्ट को 'इंशाअल्लाह' के लिए पहले ही साइन कर चुके थे, इसलिए उसी फीस में उन्होंने आलिया भट्ट को लेकर 'गंगूबाई काठियावाड़ी' बना डाली। विक्की कौशल को लेकर 'उरी द सर्जिकल स्ट्राइक' निर्देशित कर चुके आदित्य धर अपना ड्रीम प्रोजेक्ट 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा' विक्की कौशल को लेकर बनाना चाह रहे थे।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका हैं। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते हैं। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए हैं। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे हैं इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं हैं ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डीजीईटी-6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मेंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

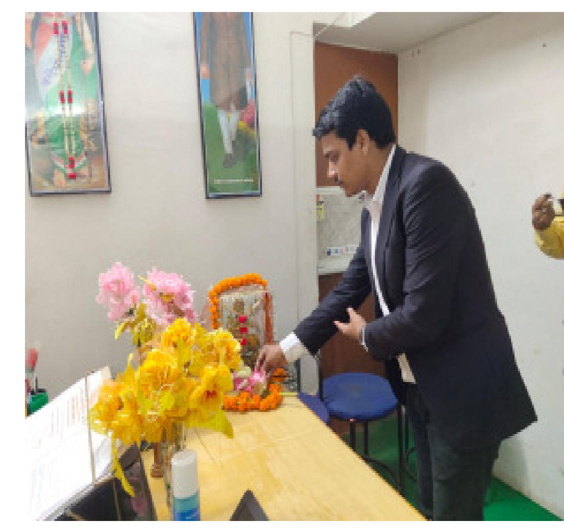

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

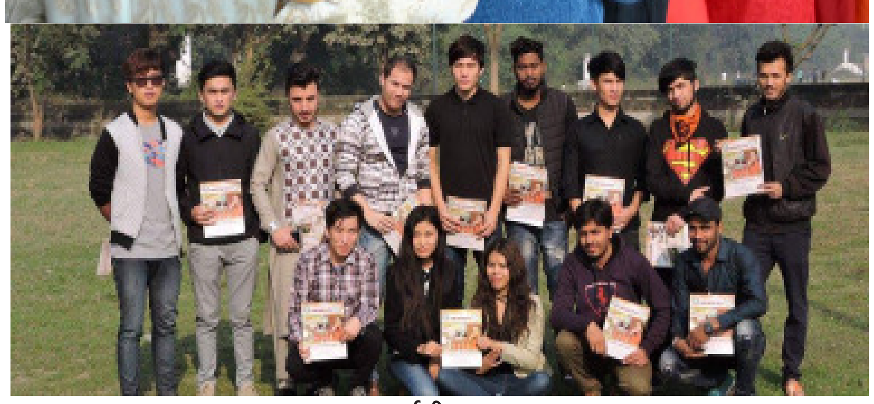

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में प्रस्तावित व्यवसायों में अगस्त 2021में प्रारम्भ होने वाले सत्र में प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कन्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, बेकिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करें :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274